Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 16 , गुरुवार, 08 फरवरी 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

UPSC CS-Pre की आवेदन प्रक्रिया आज से शुरू, इस दिन होगी परीक्षा

नई दिल्ली। सिविल सर्विसेज प्रीलिमिनरी परीक्षा के लिए आवेदन की प्रक्रिया आज से ऑनलाइन शुरू हो गई है। परीक्षार्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। यूपीएससी द्वारा जारी वार्षिक परीक्षा कैलेंडे के मुताबिक सिविल सर्विस (प्रीलिमिनरी) और इंडियन फॉरेस्ट सर्विसेज (प्रीलिमिनरी) दोनों के आवेदन की प्रक्रिया आज से शुरू होकर 6 मार्च 2018 तक चलेगी। प्रीलिमिनरी परीक्षा का आयोजन 3 जून 2018 को होगा। सिविल सर्विसेज की परीक्षा कोई भी डिग्री छात्र दे सकता है। सामान्य श्रेणी के आवेदक की अधिकतम उम्र 1 अगस्त 2018 को 32 साल और न्यूनतम उम्र 21 साल होनी चाहिए। इसके 892 सीटों के लिए आवेदन किया जाएगा। जिसमें भारतीय प्रशासनिक सेवा के लिए 782 और भारतीय फॉरेस्ट सेवा के 110 सीटों के लिए आवेदन होगा। सिविल सर्विसेज की परीक्षा दो चरणों में होती है। 2017 में करीब 10 लाख कैंडिडेट्स ने सिविल सर्विसेज एग्जाम दिया था।

युवा योजना लागू करने के मसौदे पर विमर्श शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार युवा शहरी छात्रवृत्ति योजना लाने के मसौदे पर विचार कर रही है। इसके तहत युवाओं को अच्छे मानदेय पर काम करने का मौका मिलेगा। इसका प्रारंभिक मसौदा तैयार है व मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में इसपर विचार विमर्श किया गया लेकिन अभी फैसला नहीं लिया जा सका है। अब दिल्ली सरकार के कुछ मंत्री इस मसौदे पर दोबारा विचार करेंगे ताकि इसे बेहतर स्वरूप में लागू किया जा सके। युवाओं को मासिक स्कॉलरशिप देकर सरकार के कामकाज की समीक्षा करने संबंधी निर्णय दिल्ली सरकार ने पिछले वर्ष भी लिया लेकिन उसे मूर्त रूप नहीं दिया जा सका था। अब युवा छात्रवृत्ति योजना को लागू करने के लिए विमर्श शुरू हो गया है। इसी वर्ष के अंत तक संभावित चुनाव को देखकर युवाओं के लिए दिल्ली सरकार इस मसौदे पर तेजी से काम कर रही है।

उत्तरी दिल्ली में 13 संपत्तियां सील15 दिसम्बर से अब तक हो चुकी हैं 985 संपत्तियां सील

नई दिल्ली (एजेंसी)। नगर निगम में मंगलवार को कुल 13 संपत्तियां सील हुई हैं। इसमें करोलबाग जोन की 11 व नरेला जोन की 2 संपत्तियां शामिल हैं। अन्य जोन में मंगलवार को सीलिंग की कार्रवाई नहीं चली। राजधानी में बीते साल 15 दिसम्बर से सीलिंग की कार्रवाई शुरू हुई है। उत्तरी दिल्ली नगर निगम क्षेत्र में अब तक करीब 985 संपत्तियां सील हो चुकी हैं। मॉनिटरिंग कमेटी के निर्देश पर नगर निगम का दस्ता मंगलवार को करोलबाग जोन के इंद्रपुरी इलाके में पहुंचा और सीलिंग की कार्रवाई शुरू की। इंद्रपुरी के आर ब्लॉक में कुल 11 संपत्तियों को सील की गई। इन संपत्तियों के मालिकों पर आरोप है कि वह अनधिकृत भू-उपयोग कर रहे थे। इसी तर्ज पर नरेला जोन के नांगलोई इलाके में कुल 2 संपत्तियां सील की गई हैं। अन्य जोन में मंगलवार को सीलिंग की कार्रवाई बंद रही।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए ''हिम्मत प्लस' ऐप लांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने अपने महिला सुरक्षा ऐप ''हिम्मत' की खामियां दूर कर उपयोगकर्ताओं को सुविधाएं प्रदान कराने के लिए मंगलवार को उसका तीसरा उन्नत संस्करण ''हिम्मत प्लस' लांच किया। दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल ने रायसीना रोड के नेशनल मीडिया सेंटर में ''हिम्मत प्लस' का नया संस्करण जारी किया। इस मौके पर पुलिस आयुक्त अमूल्य पटनायक सहित स्पेशल सीपी संजय बेनिवाल व डीसीपी संजय भाटिया अदि अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।पुलिस के मुताबिक हिम्मत एप का नया संस्करण अंग्रेजी व हिंदी में है। एप में टैक्सी, ऑटो रिक्शा एवं ई-रिक्शा के ड्राइवरों के विवरण के सत्यपान के लिए उनके क्यूआर कोड की स्कैनिग सुविधा भी प्रदान की गई है। प्रायोगिक परियोजना के रूप में शुरू किया गया यह एप दिल्ली हवाई अड्डे सहित पांच मेट्रो स्टेशन आनंद विहार, विश्व विद्यालय, मालवीय नगर, साकेत और नेहरु प्लेस स्टेशन से निकलने वाली महिला यात्री भी प्रयोग कर सकती हैं। उपराज्यपाल अनिल बैजल ने कहा कि महिलाएं यात्रा करते समय और खासकर जब वह टैक्सी या ऑटो रिक्शा में हो तब खतरे की आशंका से घिरी रहती हैं। उन्हें नहीं पता होता कि यह सुरक्षित है या नहीं। यह उन्नत एप उन्हें सशक्त बनाएगा और यात्रा करते समय उनका विास बढ़ाएगा।

ग्रामीणों के विकास में होगी सीधी सहभागिता

सभी गांवों में ग्राम विकास समिति का होगा गठन: गोपाल राय

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी के सभी 365 गांवों में विकास के लिए जल्द ग्राम विकास समिति का गठन किया जाएगा।

इस ग्राम विकास समिति में सभी वर्गों, महिलाओं और नौजवानों का प्रतिनिधित्व होगा ताकि गांव का विकास परम्परा और आधुनिकता के साथ हो सके। गांव के विकास कार्य को लेकर ग्राम विकास समिति पंचायत करेगी। इस कदम से दिल्ली के गांव के लोगों की विकास में सीधी सहभागिता होगी और इस सहभागिता से विकास कायरे में भ्रष्टाचार को मिटाने में मदद मिलेगी।दिल्ली सरकार के ग्राम विकास बोर्ड द्वारा कांस्टीट्यूशन क्लब में मंगलवार को स्मार्ट गॉव सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें दिल्ली के विकास मंत्री गोपाल राय ने जल्द ग्रामीण विकास बोर्ड के गठन की घोषणा की। उन्होने कहा कि स्मार्ट गांव से ही स्मार्ट सिटी का निर्माण होगा। स्मार्ट गांव सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य ग्राम विकास समिति के सदस्यों को ट्रेनिंग देना और उनकी राय लेना है ताकि गांव का विकास सही रूप से हो सके। उन्होंने बताया कि ग्राम विकास बोर्ड के गठन के बाद अभी तक दो बैठक हुई है। इसमें 452 योजनओं का अनुमोदन किया गया है जिसमें लगभग 558 करोड़ रूपए की लागत आएगी।

उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार ने दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड का गठन किया गया है जिसके द्वारा ग्रामीण और शहरीकृत गांव दोनों में विकास कार्य किया जाएगा। इससे पहले ग्रामीण विकास बोर्ड द्वारा सिर्फ ग्रामीण गांवों का विकास कार्य किया जाता था। दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड का मुख्य कार्य ग्रामीण एवं शहरीकृत गांवों के लालडोरा क्षेत्र, सिजरा सड़कों तथा सरकारी भूमि पर सार्वजनिक सुविधाओं वाले क्षेत्रों पर विकास कायरे की संस्तुति करना है। इन कायरे में गाँवों की सड़कों का निर्माण एवं पुर्ननिर्माण, गाँवों के तालाबों का विकास कार्य, गाँवों के पार्क, खेल के मैदान, व्यायामशाला, पुस्तकालय तथा श्मशान घाटों का निर्माण कार्य, पीने के पानी की सुविधा, गाँवों की चौपाल, बारातघर तथा सामुदायिक केंद्रों का निर्माण कार्य व मरम्मत का कार्य शामिल है। । गोपाल राय ने बताया कि जिस गांव में चौपाल या बारात घर नहीं है उस गांव में चौपाल या बारात घर का निर्माण ग्राम विकास बार्ड द्वारा किया जाएगा। इसके साथ-साथ चौपालों एवं बारातघरों की मरम्मत भी ग्राम विकास बोर्ड द्वारा की जाएगी।

लिवर और मलाशय से निकले एक-एक किलो के टयूमर

तंजानिया के मरीज के शरीर से निकले एक टब टयूमर

गंगाराम अस्पताल के डाक्टरों ने किया ऑपरेशन डॉक्टरों के अनुसार सात घंटे तक चले अपरेशन में लीवर से 1.2 किलोग्राम का टयूमर निकाला था। वहीं, मलाशय से 1.9 किलोग्राम का टयूमर निकला।

नई दिल्ली। शायद आपको यकीन न आए, लेकिन सच है कि तंजानिया के एक व्यक्ति के शरीर में टब भर के टयूमर निकले हैं। सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती इस मरीज के लिवर और मलाशय से डाक्टरों ने एक-एक किलो वजन के टयूमर निकाले हैं। इससे साफ जाहिर होता है कि डॉक्टरों के लिए यह केस चुनौतियों और कठिनाइयों से भरा रहा होगा। अस्पताल के मुताबिक 31 जनवरी को करीब सात घंटे तक ऑपरेशन चलने के बाद दोनों टयूमर को मरीज के शरीर से बाहर निकाल दिया है। हालांकि अब मरीज की हालत सामान्य हो रही है। अस्पताल के वरिष्ठ डॉ. विवेक मंगला ने बताया कि तंजानिया निवासी उमर सलीम (32) पिछले वर्ष अक्टूबर माह में दिल्ली आए थे। इस दौरान उन्होंने बताया कि वे करीब एक वर्ष से असीमित पेट दर्द से पीड़ित हैं। उन्होंने अपने देश के एक अस्पताल में ऑपरेशन भी कराया था, लेकिन उसके बाद भी कोई राहत नहीं मिली। इस पर डॉक्टरों ने सीटी स्कैन कराया तो मलाशय और नलिका के मध्य एक बड़ी दीवार सी दिखाई दे रही थी। इसी तरह की दीवार पेट के बायीं ओर ऊपर लीवर में भी दिखाई दे रही थी। डॉ. विवेक के अलावा इस टीम में डॉ. मनु गुप्ता और डॉ. अखिल कुमार ने मुख्य भूमिका निभाई। डॉक्टरों के अनुसार सात घंटे तक चले अपरेशन में लीवर से 1.2 किलोग्राम का टयूमर निकाला था। वहीं, मलाशय से 1.9 किलोग्राम का टयूमर निकला। ऑपरेशन के बाद मरीज को निगरानी में रखा था, लेकिन अब उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

बलिया में शिक्षिका की पिटाई से छात्रा की मौत, स्कूल में हंगामा

रसड़ा (बलिया) (एजेंसी) वाराणसी के बलिया जिले में एक निजी स्कूल में कक्षा चार में पढ़ने वाली छात्रा की मंगलवार की रात वाराणसी में इलाज के दौरान मौत हो गयी। परिजनों ने शिक्षिका की पिटायी से सिर में गंभीर चोट लगने के चलते बच्ची की मौत का आरोप लगाते हुए बुधवार को शव लेकर स्कूल पहुंच गये और जमकर हंगामा किया। सूचना पर पहुंचे पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने समझा-बुझाकर लोगों को शांत किया। इस मामले में स्कूल की एक शिक्षिका, प्रिंसिपल व प्रबंधक के खिलाफकेस दर्ज किया गया है। पुलिस इन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। रसड़ा कस्बे से सटे कोटवारी (अहीरपुर) निवासी संतोष वर्मा की 12 वर्षीय बेटी सुप्रिया एक प्राईवेट स्कूल में कक्षा चार में पढ़ती थी। रोजाना की तरह मंगलवार को वह घर से स्कूल पहुंची। परिजनों का आरोप है कि सुप्रिया को पढ़ाने वाली एक छात्रा ने किसी बात को लेकर छड़ी आदि से उसके सिर में मार दिया। इससे उसकी तबियत बिगड़ गयी। उनके मुताबिक स्कूल वालों ने इसकी सूचना तक नहीं दी और अपने स्तर से ही इलाज कराया। घर पर छात्रा की तबियत अधिक खराब होने पर मऊ और वहां से वाराणसी ले जाया गया।

उन्नाव: झोलाछाप गिरफ्तार, एक ही सीरिंज का इस्तेमाल करके 50 लोगों को बनाया

उन्नाव (एजेंसी)। यूपी के उन्नाव में तहसील में एक ही सीरिंज का इस्तेमाल करके 50 लोगों को एचआईवी मरीज बनाने वाले झोलाछाप डॉक्टर को गिरफ्तार कर लिया गया है। बांगरमऊ तहसील में एक झोलाछाप डॉक्टर के संक्रमित सिरिंज का प्रयोग करने से 50 लोगों में एचआइवी का संक्रमण फैल गया था। एचआईवी बांटने वाले झोलाझाप पर जनवरी में मामला दर्ज किया गया था। 24 जनवरी को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मामले की जानकारी पर बांगरमऊ के तीन गांवों में प्रेमगंज, चकमीरपुर व किरविदियापुर में तीन बार एचआईवी जांच कैंप लगाया। किरविदियापुर में 84, प्रेमगंज में 286 और चकमीरापुर गांव में 196 लोगों ने जांच करवाई थी। आसपास के गांव में भी खौफ के चलते लोगों ने गुपचुप जांच करवाई। अभी तक 50 लोगों में संक्रमण मिलने की सूचना है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग की समिति ने अपनी रिपोर्ट में संक्रिमत लोगों की संख्या 46 बताई है। उधर, सीएमओ के आदेश पर सीएचसी प्रभारी प्रमोद कुमार दोहरे ने 31 जनवरी को झोलाछाप के विरुद्ध केस दर्ज कराया गया था।

दिल्ली: पुलिस ने 12 दिन बाद नर्सरी क्लास के छात्र को छुड़ाया, 1 किडनैपर ढेर

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमुनापार के शाहदरा इलाके से 25 जनवरी को स्कूल बस के ड्राइवर को गोली मारकर अगवा छात्र को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम ने मुठभेड़ के बाद सुरक्षित छुड़ा लिया है।

बीती रात क्राइम ब्रांच की टीम ने किडनैपर्स से मुठभेड़ कर छात्र को मुक्त कराया । मुठभेड़ में गोली लगने से एक बदमाश की मौत हो गई जबकि एक घायल हो गया है।

तीसरे को पुलिस ने मौके से दबोच लिया है। तीनों किडनैपर्स पुलिस के हत्थे चढ़ गए। दिल्ली के शाहदरा इलाके से 25 जनवरी को स्कूल बस के ड्राइवर को गोली मारकर बदमाशों ने पांच वर्षीय छात्र का अपहरण कर लिया था। 26 जनवरी से ठीक एक दिन पहले राजधानी में घटी इस घटना ने सनसनी मचा दी थी। क्राइम ब्रांच के DCP राम नाईक के नेतृत्व में यह ऑपरेशन चलाया गया।

मुठभेड़ के दौरान एक किडनैपर की गोली लगने से मौत हो गई। वहीं एक किडनैपर पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया । उसे जीटीबी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

तीसरे किडनैपर को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने तीनों किडनैपर्स की पहचान रवी, पंकज और नितिन के रूप में हुई है। रवि की मौत हो गई जबकि पंकज घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती है।

वहीं नितिन पुलिस की गिरफ्त में है। पुलिस के मुताबिक, स्कूल बस के ड्राइवर को गोली मारकर छात्र को अगवा करने के बाद तीसरे दिन 28 जनवरी को जब किडनैपर्स ने बच्चे के परिवार से 60 लाख की फिरौती मांगी, तो किडनैपर्स द्वारा किए गए कॉल को दिल्ली पुलिस ने ट्रेस कर उनका सुराग लगा लिया। आखिरकार 12 दिन की मशक्कत के बाद पुलिस को किडनैपर्स की सही लोकेशन का पता लगा। पुलिस को पता चला कि किडनैपर्स ने बच्चे को अगवा कर

साहिबाबाद के शालीमार सिटी में एबॉय अपार्टमेंट के फ्लैट नम्बर 505 में छिपा रखा है। बस दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम ने दबिश दी और पूरी बिल्डिंग को घेर लिया।

क्राइम ब्रांच ने किडनैपर्स को घेर लिया तो बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी और बच्चे को नुकसान पहुंचाने की धमकी भी दी। लेकिन पुलिस ने बच्चे को सुरक्षित बचाने के लिए जवाबी फायरिंग कर तीनों किडनैपर्स को बच्चे को काबू कर लिया। अगवा छात्र परिजनों को सौंप दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

सत्येंद्र जैन से जुड़े लैपटॉप हार्ड डिस्क बरामद

सीबीआई ने दिल्ली मेडिकल काउंसिल के अध्यक्ष अरुण गुप्ता से की बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीआई ने दावा किया कि मंगलवार को उसने कथित तौर पर दिल्ली के स्वास्य मंत्री सत्येंद्र जैन की चार हार्ड डिस्क और तीन लैपटॉप दिल्ली मेडिकल काउंसिल के अध्यक्ष अरूण गुप्ता से बरामद की है। सीबीआई सूत्रों ने कहा कि हाल ही में गिरफ्तार दिल्ली डेंटल काउंसिल के रजिस्ट्रार ऋषिराज से पूछताछ के दौरान एजेंसी को यह पता चला कि ये हार्ड डिस्क और लैपटॉप गुप्ता के पास रखे हैं। सूत्रों ने कहा कि सूचना के आधार पर एजेंसी ने आज अरुण गुप्ता के परिसरों की तलाशी ली जहां से यह बरामदी की गई। उन्होंने कहा कि इन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को फोरेंसिक विश्लेषण के लिए भेजा गया है।

जांच एजेंसी ने दिल्ली सरकार के उन दावों को भी स्पष्ट रूप से खारिज किया है कि कथित तौर पर जैन से जुड़े संपत्ति के दस्तावेज ''सीबीआई द्वारा पिछले साल मारे गये छापे में लिये गये थे।' सीबीआई सूत्रों ने कहा तीनों दस्तावेजों में से कोई भी उसे उपलब्ध नहीं कराये गये और न ही उन्हें एजेंसी ने जैन के आवास पर छापे के दौरान बरामद किया था। ये तीनों दस्तावेज - दो मूल संपत्ति दस्तावेज और एक पावर ऑफ अटॉर्नी की छाया प्रति ऋषिराज के घर पर छापे के दौरान बरामद किये गये थे। उन्होंने कहा कि आज की तलाशी के दौरान एजेंसी को कथित तौर पर जैन से जुड़े एक आईसीआईसीआई बैंक खाते का विवरण भी मिला है। जैन के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में जांच चल रही है।

15 किलो से ज्यादा वजन नहीं ले जा सकेंगे मेट्रो में

नई दिल्ली। मेट्रो से सफर करने वाले यात्रियों की मुश्किलें बढ़ने वाली है। डीएमआरसी मेट्रो यात्रियों के लिए सफर के दौरान अपने साथ ले जाने वाले समान का वजन तय कर दिया है। एक यात्री अधिकतम 15 किलोग्राम वजन का सामान ही अपने साथ ले जा सकता है। इसके अलावा सामान की साइज भी तय कर दी गई है। अगले महीने से मेट्रो से यात्रा करने वाले यात्रियों को परेशानी हो सकती है। डीएमआरसी अपने मौजूदा नियम में बदलाव करने जा रही है। नए नियम के अनुसार अगले महीने से यात्री अपने साथ 15 किलो से ज्यादा वजन के सामान नहीं ले जा सकेंगे। इतना ही नहीं सामान का आकार भी तय कर दिया गया है। इससे ज्यादा होने पर उसे स्क्रीनिंग मशीन से वापस लौटाया जा सकता है। जानकारी के अनुसार सामान का आकार लंबाई 60 सेमी. (लंबाई) गुना 45 (चौड़ाई) गुना 25 सेमी. (ऊंचाई)) से ज्यादा नहीं होना चाहिए। 15 किलोग्राम से अधिक वजन ले जाना जिन स्टेशनों पर मना है उनमें बाराखंबा मेट्रो स्टेशन, आनंद विहार, चांदनी चौक, कश्मीरी गेट, शाहदरा समेत कुछ और स्टेशन शामिल हैं। डीएमआरसी ने पांच मेट्रो स्टेशनों पर स्क्रीनिंग मशीनों के सामने यू-शेप मेटल वैरियर्स इंस्टाल किए हैं। जिसके तहत 15 किलो से ज्यादा बजन होने पर आपका सामान लौटा दिया जाएगा। इस तरह के नियम लागू किये जाने के बारे में डीएमआरसी का कहना है कि वह ऑपरेशंस एंड मेंटेनेंस एक्ट के तहत इस तरह के नियम लगाये जा रहे हैं।

›››› घोटालों की सरकार है दिल्ली सरकार : भाजपा

सत्येंद्र की बर्खास्तगी की मांग को लेकर भाजयुमो का सीएम हाउस पर प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे दिल्ली सरकार के मंत्री सतेंद्र जैन की बर्खास्तगी की मांग को लेकर भाजपा युवा मोर्चा ने मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के आवास के पास प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारी मंत्री को बर्खास्त कर इस पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों को प्रदेश महामंत्री राजेश भाटिया के साथ कुलजीत चहल, युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील यादव समेत अन्य पदाधिकारियों ने भी संबोधित किया।

प्रदेश महामंत्री राजेश भाटिया ने मुख्यमंत्री पर भड़ास निकाली। उन्होंने कहा कि यह सरकार भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी हुई है। रोज नये-नये घोटाले सरकार के सामने आ रहे हैं। मुख्यमंत्री इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सतेंद्र जैन को मंत्रिमण्डल से बर्खास्त करें और इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए सीबीआई जांच की संस्तुति भी करें। कुलजीत चहल ने भी सरकार पर जमकर हमला वोला।

युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील यादव ने कहा कि केजरीवाल सरकार की कार्यपणाली में पारदर्शिता पूरी तरह समाप्त हो गयी है। प्रदर्शनकारी पुलिस बैरिकेट तोड़कर मुख्यमंत्री के आवास तक पहुंचना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें आगे नहीं बढ़ने दिया।

प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेट तोड़ने की कोशिश की, तो पुलिस ने उनके ऊपर पानी बौछार छोड़ दी। इसके बाद भी प्रदर्शनकारी नहीं मानें तो पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। प्रदर्शनकारी चंदगी राम अखाड़े से पैदल मार्च करते हुए निकले थे। वह सतेंद्र जैन के विरुद्ध नारेबाजी करते हुए बर्खास्तगी की मांग कर रहे थे।

प्रदर्शनकारियों में मुख्य रूप से रामलखन लोहिया, वासु रुक्खड, राम खिलाड़ी यादव, अनमोल राणा, राजीव भाटी, अभिमन्यु त्यागी, सुधीर मंडार समेत सभी जिलाध्यक्ष भी थे।

जो मनुष्य तौल कर बातें नहीं करता उसे कठोर बातें सुननी पड़ती हैं -सादी

आतंकवाद और तोड़फोड़

पाकिस्तान ने अब भारतीय नागरिक कुलभूषण जाधव के खिलाफ नये सिरे से आतंकवाद और तोड़फोड़ की गतिविधियों में शामिल होने का आरोप मढ़ दिया है। ये दोनों आरोप ऐसे हैं, जिनके जरिए पाकिस्तान अपने इस दावे को और भी पुख्ता करना चाहता है कि ब्लूचिस्तान के विद्रोह और उसके यहां हिंसक गतिविधियों में जाधव का सीधे तौर पर हाथ था। सच कहा जाए तो ये दोनों आरोप सिरे से फर्जी और मनगढ़ंत हैं, लेकिन इनसे बरी होने में जाधव को खासी मुश्किलें भी आ सकती हैं। गौरतलब है कि जाधव को तीन मार्च, 2016 में ईरान के चाबहार से अगवा कर लिया गया था, लेकिन पाकिस्तान ने दावा किया था कि वह ईरान से होकर ब्लूचिस्तान में घुसे थे, तब उसके सुरक्षा बलों ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। तब जाधव पर पर जासूसी करने का आरोप लगाया गया था। पाकिस्तान की सैन्य अदालत ने जाधव को पिछले साल इस आरोप में मौत की सजा सुनाई थी। भारत ने इस फैसले के खिलाफ पिछली मई में अंतरराष्ट्रीय अदालत में अपील की थी। अदालत ने जाधव की मौत की सजा पर रोक लगा दी है। हालांकि अंतिम फैसला अभी आया नहीं है। अंतरराष्ट्रीय अदालत में पाकिस्तान की एक भी दलील नहीं सुनी गई। और इस मामले में उसे शर्मिंदगी झेलनी पड़ी। दरअसल, अदालत में जाधव के खिलाफलगाए गए आरोपों की कलई खुल गई थी। इसी वजह से पाकिस्तान जाधव के खिलाफ आतंकवाद और तोड़फोड़ के नये आरोप लगाकर अपने मुकदमे को मजबूत कर लेना चाहता है। कहना न होगा कि कश्मीर के मुद्दे पर पाकिस्तान को सभी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पराजय का सामना करना पड़ता है। बावजूद इसके वह इस मुद्दे को हमेशा हवा देता रहता है। भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान पर की गई सर्जिकल स्ट्राइक के बाद तो वह सीमा पर गोलीबारी करके युद्ध के हालात पैदा करने का भरसक प्रयास करता रहा है। अभी पिछले रविवार को ही नियंतण्रेखा पर पाकिस्तान की भारी गोलीबारी से हमारी सेना के एक अधिकारी समेत चार जवान शहीद हो गए। गौर करने वाली बात यह भी है कि पाकिस्तान की यह कार्रवाई ऐसे समय हो रही है, जब अमेरिका से उसे मिलने वाली सभी मदद रुक गई हैं। दरअसल, वह यह भी दिखाना चाहता है कि अमेरिका की मदद के बगैर भी वह भारत से लोहा ले सकता है। जाधव को भी वह कश्मीर के मुद्दे की तरह एक मुद्दा बनाकर भारत की पेशबंदी करना चाहता है। यह भारतीय कूटनीति की भी अग्नि परीक्षा है कि वह अंतरराष्ट्रीय न्यायालय की अगली सुनवाई में कुलभूषण जाधव के मामले को कितनी मजबूती से रख पाता है।

कानून-व्यवस्था की हालत दयनीय

सर्वोच न्यायालय की यह टिप्पणी निश्चय ही खाप समर्थकों एवं परंपरागत समाज की सोच रखने वालों को अच्छी नहीं लगेगी कि दो बालिगों के बीच विवाह में कोई तीसरा दखल नहीं दे सकता। दरअसल, अदालत एक एनजीओ की विवाह में खाप पंचायतों की भूमिका संबंधी याचिका पर सुनवाई कर रही है। अदालत ने खाप पंचायतों को लेकर कई सख्त टिप्पणियां की हैं। अदालत की टिप्पणियों से उनको गहरा धक्का अवश्य लगा है। अदालत के बाद हम इस पर कोई राय दें यह उचित नहीं होगा। किंतु दो बालिगों की शादी में तीसरे की भूमिका न होने की टिप्पणी पर देश में बहस अवश्य छिड़ गई है। जहां तक कानून का संबंध है तो दो बालिग आपस में शादी करना तय करते हैं, तो उनको इसकी अनुमति है। अदालत कानून और संविधान के तहत ही किसी मामले पर विचार करती है, और उस नाते उसकी टिप्पणी अस्वाभाविक नहीं है। किंतु हमारे समाज पर स्थानीय संस्कृतियों और परंपराओं का प्रभाव आज भी कायम है। शादी-विवाह का मसला तो ऐसा है, जिसमें बहुसंख्य आबादी परंपराओं के अनुसार ही अपनी भूमिका का निर्वहन करती है। समाज की एकता की दृष्टि से अंतरजातीय एवं अंतरपंथीय विवाहों को प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। समाज स्वयं इस दिशा में आगे नहीं बढ़ रहा। दो जातियों या दो मजहबों के कोई युवक युवती प्रेम विवाह करना चाहते हैं। अदालत ने कहा है कि खाप पंचायतों जैसी संस्थाओं द्वारा विवाह में हस्तक्षेप से संबंधित मुद्दों से निबटने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की उच्चस्तरीय समिति गठित करेगी। ऐसी समिति शायद अंतरजातीय या अंतरपंथीय विवाहों के कारण होने वाली हिंसा या प्रतिष्ठा हत्या पर कुछ रोक लगा पाए। किंतु यह पर्याप्त नहीं होगा। यह अदालत के फैसले या पुलिस के हस्तक्षेप से ज्यादा सामाजिक जागरण का मामला है। जागरण कैसे पैदा हो कि अंतरजातीय-अंतरपंथीय विवाह सहज स्वीकार्य हो सकें, इसके लिए काम करने की जरूरत है। इसलिए समाज में इस बात को स्वीकृत कराने के लिए अभियान चलाए जाने की आवश्यकता है। देखना है कि अदालत अपने फैसले में इस पहलू पर कोई टिप्पणी करती है, या नहीं।

सत्संग

प्रकृति

हमेशा इस कोशिश में लगे रहते हैं कि कैसे अपने आपको ज्यादा से ज्यादा सुरक्षित रखा जाए। आपके इर्द-गिर्द अगर चार-पांच लोग हैं, आपको अच्छा महसूस होता है। जरा देर के लिए अकेले बैठना पड़ जाए तो आपको दिक्कत होने लगती है। यह आपके मन का स्वभाव नहीं है, यह आपके शरीर का स्वभाव है जो लंबा समय गुजरने के बाद एक मानसिक प्रक्रिया में बदल चुका है। दरअसल, यह खुद को बचाए रखने की प्रकृति ही है, क्योंकि शरीर को बचाना जरूरी है। अगर आप मनमाने ढंग से इस शरीर का इस्तेमाल करेंगे तो यह टूट जाएगा। एक भी बेवकूफी से भरा काम आपने किया तो यह टूट जाएगा। तो इसी वजह से हम ये सब चीजें बनाने की कोशिश करते रहे हैं। लेकिन शरीर के साथ हमारा यह जरूरत से ज्यादा लगाव इसलिए है, क्योंकि हमने अपने शरीर के साथ ही अपनी पहचान स्थापित कर रखी है। एक बार अगर किसी चीज के साथ आपने अपनी पहचान स्थापित कर ली तो आपका मन हमेशा उसी चीज के इर्द गिर्द काम करता रहेगा क्योंकि मन की प्रकृति ही कुछ ऐसी है। कल को एक और व्यक्ति आपके जीवन में आ जाता है, अब आप एक दूसरे शरीर के साथ पहचान स्थापित कर लेते हैं। शारीरिक संबंध इसीलिए होते हैं। जब मैं शारीरिक संबंध कहता हूं तो मेरा मतलब केवल आपके जीवन साथी से नहीं है। मेरा मतलब जीवन साथी के साथ ही सभी अन्य बायोलॉजिकल संबंधों से भी है अर्थात आपके संबंध अपने माता-पिता से हो सकते हैं, बच्चों से हो सकते हैं। वो सारे रिश्ते जिसे आप खून का रिश्ता कहते हैं, उनसे आपका संबंध एक तरह से शारीरिक संबंध ही है। ये संबंध बहुत मजबूत और उलझाने तथा फंसाने वाले इसलिए बन जाते हैं, क्योंकि ये संबंध बायोलॉजिकल होते हैं, और जो सूचनाएं आपके शरीर के डीएनए में दर्ज हैं, वे कई और शरीरों में भी दर्ज हैं। अगर आप इन सबके साथ अपने अंतर में कहीं गहराई में, जरूरत से ज्यादा जुड़ाव पैदा कर लेंगे तो कहीं न कहीं आप केवल उन्हीं लोगों से, जिनसे आपके रक्त-संबंध हैं, जुड़ पाएंगे। किसी दूसरे जीवन पर आप उचित ध्यान नहीं दे पाएंगे। यह बहुत सारे लोगों का और हमारे देश का एक बहुत बड़ा दुर्भाग्य है। धृतराष्ट्र के समय से लेकर आज तक हम इस सिंड्रोम से पीड़ित हैं।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गंठबंधन

पिछले सप्ताह बजट में प्रदेश के साथ न्याय नहीं करने की शिकायत करते हुए उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गंठबंधन (राजग) के साथ रहने के अपने निर्णय की समीक्षा करने की धमकी तक दे डाली थी। लेकिन अब उनके तेवर में नरमी दिखाई दे रही है। अपने कार्यकर्ताओं को शांत रहने और गठबंधन के मुद्दे को बाद में उठाने का उनका वादा व्यावहारिक सच्चाई को स्वीकार करना ही प्रतीत होता है। अपने सांसदों से संसद को बाधित करने के लिए कहना अब ज्यादा से ज्यादा केंद्र सरकार पर अपनी मांगें माने जाने के लिए दबाव डालने की एक रणनीति ही नजर आती है। केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात के बाद तेदेपा से जुड़े सांसदों के इस बयान के बाद कि राजद गठबंधन से अलग होने का कोई प्रस्ताव नहीं था।

सतीश पेडणोकर

पिछले कुछ समय से भाजपा और सरकार में शामिल उसके सहयोगी दलों के बीच अविास के बीज अंकुरित होते नजर आने लगे हैं। ताजा मामला तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) से संबंधित है, जिसके प्रमुख और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने राष्ट्रीय बजट में प्रदेश की वित्तीय जरूरतों को अनदेखा किए जाने का आरोप लगाया है। पिछले सप्ताह बजट में प्रदेश के साथ न्याय नहीं करने की शिकायत करते हुए उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गंठबंधन (राजग) के साथ रहने के अपने निर्णय की समीक्षा करने की धमकी तक दे डाली थी। लेकिन अब उनके तेवर में नरमी दिखाई दे रही है। अपने कार्यकर्ताओं को शांत रहने और गठबंधन के मुद्दे को बाद में उठाने का उनका वादा व्यावहारिक सच्चाई को स्वीकार करना ही प्रतीत होता है।

अपने सांसदों से संसद को बाधित करने के लिए कहना अब ज्यादा से ज्यादा केंद्र सरकार पर अपनी मांगें माने जाने के लिए दबाव डालने की एक रणनीति ही नजर आती है। केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात के बाद तेदेपा से जुड़े सांसदों के इस बयान के बाद कि राजद गठबंधन से अलग होने का कोई प्रस्ताव नहीं था, कोई संदेह नहीं रह जाता कि फिलहाल, तेदेपा गठबंधन का हिस्सा बनकर ही रहेगी। लेकिन हां, वह केंद्र सरकार पर अपनी मांगों को मान लिए जाने के लिए दबाव बनाती रहेगी। चंद्रबाबू नायडू को पता है कि उनकी पार्टी सरकार में शामिल है, इसलिए उनके सांसद विपक्ष की तरह व्यवहार करने की स्वतंत्रता नहीं ले सकते।

भाजपा और तेदेपा के बीच ताजा तनाव का यदि कोई एक कारण है, तो वह केंद्र सरकार द्वारा आंध्र प्रदेश को विशेष पैकेज देने से इनकार करना है। विशेष पैकेज की मांग 2014 में पहली बार तब उठी थी, जब आंध्र प्रदेश का बंटवारा हुआ था, जिसके अंतर्गत राजधानी के रूप में हैदराबाद तेलंगाना को दे दिया गया था, और आंध्र प्रदेश को अपनी राजधानी के रूप में अमरावती को विकसित करना था। इसके अलावा पोलावरम बहुद्देशीय सिंचाई परियोजना के लिए भी आंध्र प्रदेश को केंद्र से पर्याप्त धन मिलने की आशा थी। विशेष पैकेज की मांग प्रदेश के लिए जहां प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गया है, वहीं नेताओं के लिए अपना समर्थन बढ़ाने का मुद्दा।

विपक्षी नेता वाई. एस. जगन मोहन इस वक्त प्रदेश की पदयात्रा पर हैं, और अपने भाषणों से इसे जनता के बीच बहस का हिस्सा तो बना ही दिया है, साथ ही भाजपा के साथ गठबंधन की पूर्व शर्त भी बना दी है। वैसे भी, प्रदेश के अधिकांश लोग केंद्र सरकार द्वारा विशेष पैकेज नहीं दिए जाने को विासघात के रूप में देखने के साथ-साथ चंद्रबाबू नायडू की विफलता मान रहे हैं। मालूम हो कि 2019 में आंध्र प्रदेश में विधानसभा के चुनाव भी होने वाले हैं। ऐसे में तेदेपा की परेशानी को समझना कोई कठिन नहीं है। आखिर वह चुनावी खतरा उठाना क्यों उठाना चाहेगी ?चंद्रबाबू नायडू अच्छी तरह जानते हैं कि अकेले दम पर चुनावी जीत हासिल करना उनके लिए कठिन होगा, इसीलिए कभी गरम तो कभी नरम तेवर अख्तियार कर रहे हैं। यदि केंद्र सरकार से उन्हें विशेष पैकेज या अपेक्षित फंड मिल जाता है, तो वह इसे प्रदेश में अपनी कामयाबी के रूप में लोगों के सामने पेश कर सकते हैं। जाहिर है कि वह किसी भी तरह केंद्र सरकार का सहयोग हासिल करना चाहते हैं। वैसे नायडू की विशेष वित्तीय पैकेज की मांग पूरा करने का वादा पिछली यूपीए सरकार के दौरान ही कर दिया गया था। कहने की आवश्यकता नहीं कि वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर भाजपा के साथ गठबंधन को वाजिब ठहराने में उन्हें परेशानी हो रही है केवल तेलुगू देशम पार्टी ही नहीं, बल्कि अकाली दल और शिव सेना भी गठबंधन धर्म नहीं निभाने के लिए भाजपा की आलोचना कर रहे हैं। यहां तक कि बिहार के कतिपय क्षेत्रीय दल भी भाजपा को संदेह की नजर से देख रहे हैं। यहां तक कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी लोक सभा और विधानसभा के चुनाव साथ-साथ कराने के मोदी के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। लेकिन भाजपा की आलोचना में सबसे मुखर शिव सेना है। उसने तो घोषणा भी कर दी है कि वह अगले लोक सभा और विधानसभा के चुनाव अकेले दम पर ही लड़ेगी। इतना ही नहीं, शिव सेना का तो यह भी कहना है कि राजग की मौत हो चुकी है।

इसमें कोई शक नहीं कि यदि भाजपा के ये सहयोगी गठबंधन से अलग भी हो जाते हैं, तो सरकार के वजूद पर कोई खतरा नहीं होगा।

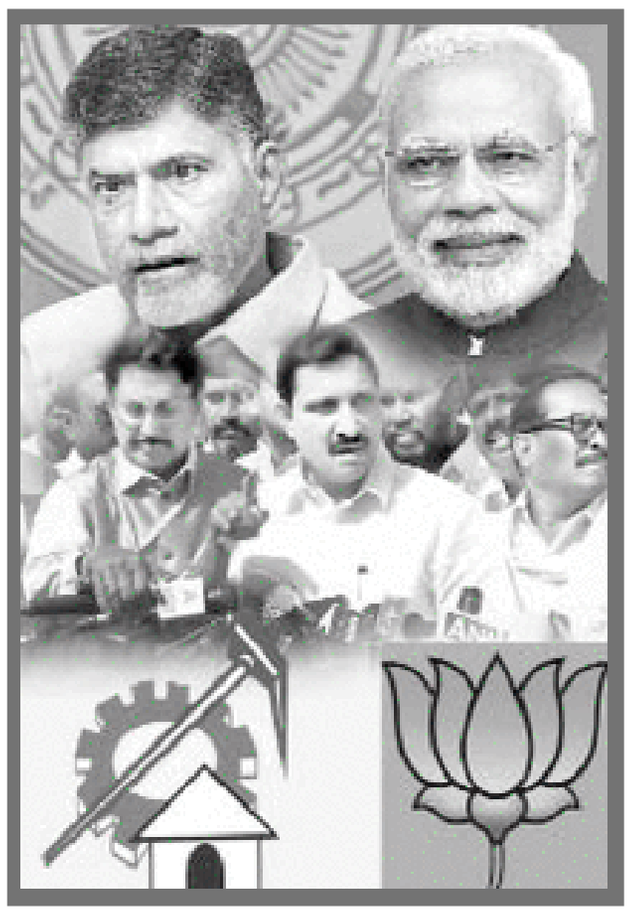

इनके सहयोग के बिना भी सरकार की सेहत को कोई फर्क नहीं पड़ेगा। लेकिन तब भी यह भाजपा के लिए कोई अच्छी खबर नहीं हो सकती कि उसे लेकर उसके सहयोगी दलों में संदेह और अविास की भावना बढ़ती जा रही है। इन सहयोगियों का गठबंधन से अलग होना आगामी चुनावों में कोई नया गुल भी खिला सकता है। यदि महाराष्ट्र में शिव सेना और भाजपा अलग-अलग चुनाव में उतरती हैं, तो जाहिर है कि भाजपा के लिए परेशानी खड़ी हो सकती है। एक बात तो साफ है कि मोदी और भाजपा की चमक फीकी पड़ने लगी है। गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा को जिस तरह एड़ी-चोटी का जोर लगाने के बाद किसी तरह जीत मिली और हाल में संपन्न हुए राजस्थान के उपचुनावों में उसकी करारी हार से स्पष्ट हो गया है कि वह अब अपराजेय पार्टी नहीं रही। ऐसे में कर्नाटक में भाजपा अपनी जीत का लक्ष्य पाने में सफल नहीं होती है, तो अगले लोक सभा चुनाव के दौरान नये समीकरण बनने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। पिछले चुनावों में भाजपा अपने सहयोगी दलों के साथ चढ़कर सौदेबाजी करती रही थी, लेकिन आगे उस समीकरण में परिवर्तन भी देखने को मिल सकता है।भाजपा इन स्थितियों के पनपने की आशंका से अनजान नहीं रह सकती और वह है भी नहीं। उनके नेताओं के ताजा बयानों से स्पष्ट है कि उसे अपने सहयोगी दलों की आपत्तियों का भान है।

अगर ऐसा नहीं होता तो केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली कतई यह बयान नहीं देते कि सहयोगी दलों की आपत्तियों को दूर करने का प्रयास किया जाएगा। जाहिर है कि भाजपा नेतृत्व सहयोगी दलों खासकर चंद्रबाबू नायडू को संतुष्ट करने का जरूर प्रयास करेगा। बहरहाल, फूट के बीज तो अंकुरित होने ही लगे हैं।

चलते चलते

सत्य धटना

रिलीज हैबे ते पैलै ई पैडमैन फिल्म देखि आयौ, कैसी लगी ? -कमाल, चचा, कमाल! नायक लक्ष्मी अपने बनाए वैकल्पिक उत्पाद युवतियों को देना चाहता है, तो उत्पात मच जाता है। जिस कागज में लपेट कर अपनी निर्मिति चुपचाप देता है, उस कागज पर प्रतिक्रिया जानने के लिए तीन शब्द लिखता है, ''बकवास, ठीक ठाक और कमाल' यानी कैसी लगी मेरी निर्मिति, किसी एक पर टिक कर दो। यह फिल्म अपने उत्पाद को कमाल बनाने में नायक की संघर्ष-गाथा है। निर्देशक बाल्की ने जिन भावनाओं को सजग चेतना के कागज में लपेट कर प्रस्तुत किया है, देखने के बाद, मैं अंतिम विकल्प लगाऊंगा, कमाल है कमाल! धुन के धनी अरुणाचलम नामक कमाल के युवक की सच्ची कहानी पर आधारित अपनी संपूर्णता में कमाल है। -ऐसौ का कमाल ऐ रे ?-देखकर ही जान पाएंगे। मातृत्व-संभव काल में महिलाओं के जीवन में प्रकृति के प्रकोप की जो पंचदिवसीय मासिक समस्या आती है, उसे वे चेतना के विस्तार और विज्ञापनों के प्रचार-प्रसार के बावजूद छिपाती हैं। आदिकाल से इस समस्या से जूझती आ रही हैं। हमारे देश के इतिहास में सम्मान्या महिलाएं नगण्य संख्या में जौहर करके स्वर्ग सिधारीं, लेकिन दिमाग के कोहरे और मातृत्व-प्रक्रिया में संक्रमण के कहर से असंख्य मर गई। अब बाजार में पचपन रु पये के पांच मिलते हैं, लेकिन इतना पैसा कहां होता है, मानसिक और आर्थिक गरीबी की रेखा से नीचे जीने वालों के पास ? नायक कितने ही पारिवारिक, सामाजिक और आर्थिक झंझावातों से गुजरा, लेकिन उसने कम शिक्षा और संसाधनों के अभाव के बावजूद सस्ती मशीनों का आविष्कार कर दिखाया। ''पद्मावत' में तो ऊपर के कपड़े ज्यादा महंगे पहनाए गए थे, इस फिल्म में महिलाओं के स्वस्थ जीवन के लिए बहुत सस्ते अंतर्वस्त्र का उपहार है। ''पद्मावत' और ''पैडमैन' अंग्रेजी में लिखें तो शुरू के पांच अक्षर एक समान हैं। पैडमैन के अंतिम वर्ण ''एन' की जगह पद्मावत के अंत में वीएटी वैट है, यानी पैडमैन का ''एन' कहता है कि ''वैट' पर ''नो' हो। पैडमैन सभी प्रकार के करों से मुक्त होनी चाहिए।

कमाल, चचा, कमाल! नायक लक्ष्मी अपने बनाए वैकल्पिक उत्पाद युवतियों को देना चाहता है, तो उत्पात मच जाता है। जिस कागज में लपेट कर अपनी निर्मिति चुपचाप देता है, उस कागज पर प्रतिक्रिया जानने के लिए तीन शब्द लिखता है, ''बकवास, ठीक ठाक और कमाल' यानी कैसी लगी मेरी निर्मिति, किसी एक पर टिक कर दो। यह फिल्म अपने उत्पाद को कमाल बनाने में नायक की संघर्ष है।

फोटोग्राफी...

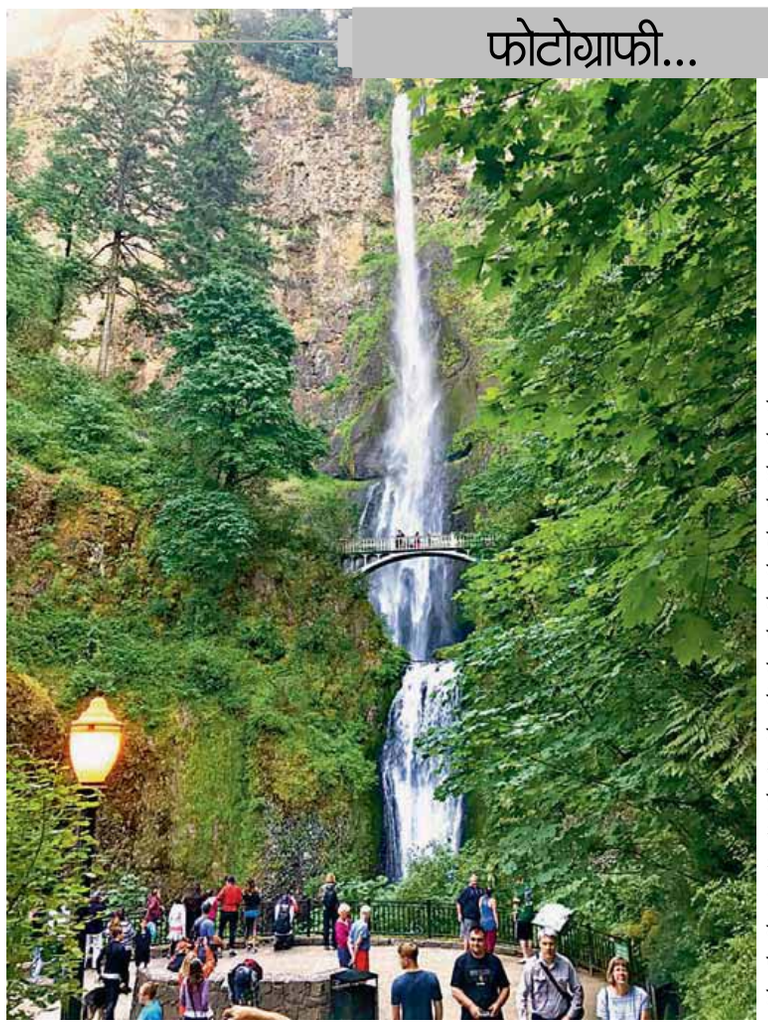

हर साल 20 लाख से अधिक लोग आते हैं 611 फीट ऊंचा झरना देखने, 15 हजार वर्ष बाढ़ से बना था यह

यह फोटो अमेरिका के पोर्टलैंड स्थित मल्टनोमाह झरने का है, जो 611 फीट की ऊंचाई से गिरता है। कोलंबिया नदी से पर बनने वाले इस झरने के पास खड़े होना मुश्किल होता है, क्योंकि पानी बहुत अधिक ठंडा होता है। आसपास की घनी हरियाली और स्वच्छ पानी के गिरने से प्रकृति के समीप होने का अहसास होता है। इसकी खूबसूरती देखने के लि ए 20वीं सदी की शुरुआत में यहां पाथ वे और पुल (द बेन्सन ब्रिज) बनाया गया था, जो आज भी कायम है। 1981 में उसे अमेरिका नेशनल रजिस्टर ऑफ हिस्टो रिक पैलेस में शामिल कि या गया था। सर्दियों में अगर तापमान अधिक गिर जाए तो झरने का पानी जम जाता है। प्रतिवर्ष 20 लाख से अधिक पर्यटक इसे देखने आते हैं इसलिए यह सबसे अधिक लोगों को आकर्षित करने वाली प्राकृतिक जगह है। यह झरना 15 हजार वर्ष पहले घाटी में आई भयानक बाढ़ से बना था। बर्फीले पहाड़ों से रिसकर बहने वाले पानी ने अपना रास्ता बनाया और इस तरह यह झरना तैयार हुआ। paulgerald.com

चुनावी घोषणा पत्र

सरकार की कार्यशैली का पता चलता है। प्राथमिकताओं का भी खुलासा होता है। सरकार अपने चुनावी घोषणा पत्र को आधार बनाकर बजट बनाती है। वर्तमान बजट में अनेक कायरे के जिक्र से कई क्षेत्रों की बल्ले बल्ले है। खासकर पूंजीपति घरानों (कॉरपोरेट सेक्टर) की पौ बारह होगी। उधर, गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों को अधिकतर 2022 तक का वादा किया गया है। मतलब कि कॉरपोरेट सेक्टर को तत्काल लाभ मिलेगा। 2014 के चुनाव में वादा किया गया था कि किसानों को उत्पादन के लागत खर्च पर लागत खर्च के साथ उसका 50 फीसदी जोड़कर लाभ दिया जाएगा। परंतु चुनाव के बाद किसानों को चौथे वर्ष में बजट द्वारा याद किया गया है। चार वर्षों की इस अवधि में किसान त्राहिमाम करते रहे। सैकड़ों किसान आत्महत्या करने को मजबूर हो गए। धान, टमाटर, आलू, गोभी आदि का उचित मूल्य नहीं मिलने पर औने-पौने में बेचने को किसान मजबूर हो गए। आलू, टमाटर, गोभी को खेत में छोड़ दिया या बाजार में बिक्री न होने पर फेंक दिया। चूंकि लागत खर्च भी किसानों को नहीं मिला। दाल, धान आदि के क्षेत्रों में किसान परेशान और व्यापारी सरकारी नीतियों के कारण मालामाल हो गए, लेकिन किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य नहीं मिला।वर्तमान बाजार में चावल, धान, गेहूं, चना की जो कीमत निर्धारित की गई है, वह आज के बाजार मूल्य से भी कम है। परिणामस्वरूप कृषि क्षेत्र में दलित-आदिवासी, ओबीसी का दैनिक मजदूरी तो न्यूनतम मजदूरी से भी कम होता है। चूंकि किसान मजदूरी देने में सक्षम नहीं है, और मजदूर भी कम में काम करने को मजबूर रहता, नहीं तो भूख मरना पड़ेगा। दूसरी ओर दलित-आदिवासी क्षेत्रों को जो छात्रवृत्ति मिल रही थी, उच्च शिक्षा की पढ़ाई में उसे बंद करके क्रेडिट कार्ड में बदल दिया गया। क्रेडिट कार्ड का मतलब है कर्ज, जिसे पुन: बैंक को वापस करना होगा। छात्रवृत्ति जब से संविधान लागू हुआ तब से दलित-आदिवासी कमजोर वर्ग के छात्रों को आर्थिक सहायता करने में असमर्थ थे, उसे पढ़ाई छोड़ कर घर वापस लौट जाना पड़ा। बीपीएल में अधिकांश संख्या है आरक्षित वर्ग के लोगों की, लेकिन जो भूमिहीन और गृहविहीन हैं, उनका स्थान बजट में दिखाई नहीं पड़ता। शिक्षा के क्षेत्र में जो मुफ्त शिक्षा व्यवस्था हाई स्कूल से नीचे के वगरे में की गई थी, उसे किताब मुहैया नहीं कराई गई और कराई गई तो वर्ष के अंत में आधे-अधूरे को उपलब्ध कराई गई है। यही हैं सरकार की प्राथमिकताएं। इससे सरकार की संवेदनशीलता का पता चलता है। समाज कल्याण विभाग के आवंटन की राशि को घटा दिया गया। कल्याण विभाग के आवंटन को घटा दिया गया जिससे दलित-आदिवासी और कमजोर वर्ग के सहयोग वाली राशि कम कर दी गईहै। स्वास्य चिकित्सा क्षेत्र में बजट द्वारा पांच लाख तक के खर्च का बीमा कराने का वादा किया गया है। इसका लाभ तो मूल तौर पर कॉरपोरेट सेक्टर को ही मिलेगा। गरीब तक कितना पहुंचेगा यह अलग बात है, लेकिन कॉरपोरेट सेक्टर को गरीबों तक जरूर पहुंचा देंगे। चूंकि कॉरपोरेट जगत के लोग तो इस प्रक्रिया में पारंगत होते हैं। यह अलग है कि जो प्रावधान दलित-आदिवासी के लिए किया जाता है, उसका 50 फीसदी भी खर्च दलित-आदिवासी के विकास में खर्च नहीं किया जाता। पिछले वर्षो के खर्चो से यह स्थिति स्पष्ट है। दलित-आदिवासी हाशिए पर हैं। विकास की धारा से दलित-आदिवासी को दूर करने का सफल प्रयास बजट के जरिए किया गया जो बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है।

मैक्सवेल ने मारा आखिरी गेंद पर छक्का : आस्ट्रेलिया दूसरा टी-20 जीता

होबार्ट । अंतिम गेंद पर छक्के से ग्लेन मैक्सवेल के शतक की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने त्रिकोणीय टी-20 क्रिकेट श्रृंखला के दूसरे मैच में इंग्लैंड को 5 विकेट से हरा दिया। 2 ओवर में 3 विकेट चटकाने के बाद मैक्सवेल को नाबाद 103 रन की पारी खेलने के लिए मैन आफ द मैच चुना गया। उनकी पारी की बदौलत आस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के 156 रन के लक्ष्य को 19वें ओवर में पांच विकेट पर 161 रन बनाकर हासिल किया। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिए आस्ट्रेलियाई टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे मैक्सवेल ने 58 गेंद की अपनी पारी में 10 चौके और 4 छक्के मारे।

डेविड विली ने वार्नर, लिन को एक ही ओवर में किया आऊट

लक्ष्य का पीछा करने उतरे आस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। डेविड विली ने पहले ओवर में ही 3 गेंद के भीतर डेविड वार्नर (04) और क्रिस लिन (00) को पवेलियन भेजा। मैकसवेल ने डार्सी शार्ट (30) के साथ तीसरे विकेट के लिए 78 रन की साझेदारी करके पारी को संभाला और फिर एलेक्स कैरी (नाबाद 05) के साथ मिलकर टीम को जीत दिलाई। विली ने 28 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

मैक्सवेल ने 10 रन देकर तीन विकेट भी झटके

इससे पहले इंग्लैंड के बल्लेबाजों को आस्ट्रेलियाई स्पिनरों मैक्सवेल (10 रन पर तीन विकेट) और एशटन एगर (15 रन पर दो विकेट) के सामने परेशानी का सामना करना पड़ा और टीम नौ विकेट पर 155 रन ही बना सकी। डेविड मालन ने 36 गेंद में पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से 50 रन बनाए। एलेक्स हेल्स और कप्तान इयोन मोर्गन ने 22-22 रन बनाए। टीम ने अपने अंतिम छह विकेट सिर्फ 33 रन जोड़कर गंवाए।

शगुन चौधरी मैक्सिको विश्व कप में करेंगी भारत का प्रतिनिधित्व

जयपुर । जयपुर की ओलंपियन वुमन शॉटगन ट्रेप शूटर शगुन चौधरी मैक्सिको में होने वाले विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फैडरेशन (आईएसएसएफ) वर्ल्ड कप (शॉटगन) इस वर्ष 1 मार्च से 12 मार्च तक ग्वाडलाहारा (मैक्सिको) में आयोजित किया जाएगा। चौधरी वर्तमान में अपने निजी कोच डेनियल डिस्पिग्नो से इटली में ट्रेनिंग ले रही है। उन्होंने बताया कि वे अगस्त 2017 से अपने कोच से ट्रेनिंग ले रही है। इसके परिणाम काफी उत्साहजनक है, क्योंकि वे नेशनल चैम्पियन बनीं और अब भारतीय टीम में चुनी गई। चौधरी ने कहा कि यह उनके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण वर्ष है, क्योंकि टोक्यो में 2020 में होने वाले ओलम्पिक के लिए क्वालिफायर्स कोरिया में वर्ल्ड चैम्पियनशिप के साथ शुरू होंगे। अत्यंत मेहनत और गम्भीरता से ट्रेनिंग ले रही चौधरी का कहना है कि वर्ल्ड चैम्पियनशिप को देखते हुए विभिन्न वर्ल्ड कप टेस्टिंग ग्राउंड साबित होगें।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व हॉकी कप्तान संदीप बोले- भारत में बनें विश्व स्तरीय रिहैबिलिटेशन सेंटर

नई दिल्ली। पूर्व हॉकी कप्तान संदीप सिंह ने खेलमंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ से देश में खिलाड़ियों के लिए विश्व स्तरीय रिहैबिलिटेशन सेंटर बनाने की अपील की है। संदीप की 2006 में दिल्ली-कालका शताब्दी एक्सप्रेस में दुर्घटना के बाद हाकी के मैदान में वापसी की उम्मीद लगभग खत्म हो गई थी। वह उस समय जर्मनी में होने वाले विश्व कप के लिए भारतीय टीम से जुडने जा रहे थे। उन्हें ट्रेन में गलती से गोली लगी जो उनकी पसली, रीढ़, किडनी और लीवर पर असर डालकर गई लेकिन उन्होंने 2 साल बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी की।

संदीप ने कहा- मैं चाहता हूं कि सरकार विश्व स्तरीय रिहैबिलिटेशन सेंटर बनाए। मैं खेलमंत्री से निजी तौर पर इसका आग्रह करूंगा क्योकि खुद खिलाड़ी होने के नाते वह खिलाडियों का दर्द समझेंगे। संदीप के जीवन पर जल्दी ही एक फिल्म 'सूरमा' आ रही है जिसमें दिलजीत दोसांझ और तापसी पन्नू नजर आएंगे। मौजूदा भारतीय हाकी टीम के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि यदि यह टीम तोक्यो ओलंपिक में पदक जीतती है तो उन्हें हैरानी नहीं होगी। उन्होंने कहा- टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही है लेकिन मुझे लगता है कि इसमें आत्मविश्वास का अभाव है। लेकिन अगर वे तोक्यो में पदक जीतते हैं तो मुझे हैरानी नहीं होगी।''

भारतीय फुटबॉल टीम के कोच स्टीफन कांस्टेनटाइन का बढ़ा करार

मुंबई। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) द्वारा बुधवार को भारतीय फुटबॉल टीम के कोच स्टीफन कांस्टेनटाइन के करार को बढ़ा दिया गया। इंग्लैंड के 55 वर्षीय कांस्टेनटाइन वर्ष 2015 से भारतीय फुटबॉल टीम के कोच हैं। भारत को फरवरी 1996 के बाद से सर्वश्रेष्ठ फीफा रैंकिंग हासिल करने में मदद की। जुलाई 2017 में भारत फीफा रैंकिंग में 96वें स्थान पर पहुंच गया था। एआईएफएफ ने एक बयान में बताया कि श्याम थापा की अध्यक्षता में आज (7 फरवरी 2018) एआईएफएफ तकनीकी समिति की मुंबई में हुई बैठक में स्टीफन कांस्टेनटाइन के प्रदर्शन के आधार पर सर्वसम्मति से उनके करार को बढ़ाने की पेशकश की गई। बयान में कहा गया कि सदस्यों ने महसूस किया कि भारतीय फुटबॉल टीम ने हाल ही में एएफसी एशियन कप 2019 के लिए क्वालीफाई करके और फीफा रैंकिंग में एशियाई देशों में लगातार शीर्ष 15 में जगह बनाकर एआईएफएफ द्वारा तय किए गए लक्ष्यों को हासिल किया है। इसके आधार पर एआईएफएफ ने कांस्टेनटाइन के करार को बढ़ाने की पेशकश की।

महिला क्रिकेट : मंधाना, पूनम ने भारत को दिलाई दूसरी जीत

किमबेरले। स्मृति मंधाना की 135 रनों की बेहतरीन पारी के बाद पूनम यादव के चार विकेटों के दम पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बुधवार को डायमंड ओवल मैदान पर खेले गए दूसरे वनडे मैच में दक्षिण अफ्रीका को 177 रनों के बड़े अंतर से हरा दिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवरों में तीन विकेट के नुकसान पर 303 रन बनाए थे। मेजबान टीम 30.5 ओवरों में सिर्फ 124 रनों पर ही ढेर हो गई। मंधाना के अलावा हरमनप्रीत कौर ने नाबाद 55 और वेदा कृष्णामूर्ति ने नाबाद 51 रनों की पारियां खेलीं। पूनम राउत (20) ने मंधाना के साथ मिलकर भारत को अच्छी शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 56 रन जोड़े। पूनम राउत के जाने के बाद मंधाना को कप्तान मिताली राज का समर्थन मिला। मिताली हालांकि बड़ा स्कोर नहीं कर सकीं और 20 के निजी स्कोर पर आउट हो गईं। इसके बाद मंधाना ने हरमनप्रीत के साथ तीसरे विकेट के लिए 134 रनों की साझेदार की। मंधाना 241 रनों के कुल स्कोर पर आउट हुईं। उन्होंने 129 गेंदों में 14 चौके और एक छक्का लगाया। मंधाना के जाने के बाद हरमनप्रीत और वेदा ने नाबाद रहते हुए भारत को 303 के स्कोर तक पहुंचाया। हरमनप्रीत ने 69 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाया। वहीं वेदा ने महज 33 गेंदों में छह चौके और एक छक्के की मदद से अर्धशतकीय पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेजबान टीम के लिए लिजेली ली ने सबसे ज्यादा 73 रन बनाए। ली ने एक छोर से अकेले संघर्ष किया, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें समर्थन नहीं मिला। ली 113 के कुल स्कोर पर आउट हुईं। उनके आउट होने से पहले मेजबान टीम ने छह विकेट खो दिए थे। ली ने 75 गेंदों में सात चौके और तीन छक्के लगाए। ली के अलावा मारिजाने कैप ही दहाई के आंकड़े को छू सकीं। उन्होंने नाबाद 17 रन बनाए। भारत की तरफ से पूनम के अलावा राजेश्वरी गायकवाड़ और दीप्ति शर्मा ने दो-दो विकेट लिए। झूलन गोस्वामी ने एक विकेट लिया।

महिला गोल्फ : हीरो महिला पेशेवर टूर के पहले दिन नेहा को बढ़त

पुणे। कोलकाता की नेहा त्रिपाठी ने हीरो महिला पेशेवर टूर के तीसरे चरण के पहले दिन बुधवार को बढ़त हासिल कर ली है। उनके पीछे सानिया शर्मा हैं। नेहा पहले दिन 18वें होल पर बर्डी लगाने वाली इकलौती खिलाड़ी रहीं। इसके कारण उन्होंने दिन का अंत वन अंडर 70 के स्कोर के साथ किया, जिसमें तीन बर्डी और दो बोगी शामिल हैं। सानिया ने 72 का स्कोर करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। वह पहले स्थान पर पहुंच सकती थीं लेकिन एक डबल बोगी के कारण वह बढ़त से चूक गईं। तीसरा स्थान गुरसिमर बडवाल और तृषा सुनील को मिला। दोनों ने 73 का स्कोर किया। तवेशा मलिक और आयेशा कपूर 74 का स्कोर कर पांचवें स्थान पर रहीं।

एशियाई पैरा साइकिलिंग चैम्पियनशिप में इस साल भी क्लीन स्वीप करना चाहेगा भारत

नेपीडॉ (म्यांमार) । म्यांमार के नेपीडॉ शहर के वुन्ना थीकडी स्पोर्ट स्टेडियम में शुक्रवार से आयोजित होने वाली एशियाई पैरा साइकिलिंग चैम्पियनशिप में भारतीय टीम एक बार फिर तीनों पदकों पर कब्जा करना चाहेगी। आदित्य मेहता की कप्तानी में खेलते हुए भारतीय टीम ने बहरीन में आयोजित चैम्पियनशिप के बीते संस्करण में तीनों पदक अपने नाम किए थे। 25 साल के अभिषेक शेखू ने स्वर्ण जीता था जबकि द्विज शाह ने रजत और हरिंदर सिंह ने कांस्य जीतकर भारत को तिहरी सफलता दिलाई थी। पैरा साइकिलिंग टीम के कप्तान और कोच आदित्य ने म्यांमार रवाना होने से पहले कहा, 'हम लम्बे समय से इस चैम्पियनशिप के लिए तैयारी कर रहे हैं। हमने काफी व्यवस्थित तरीके से इस चैम्पियनशिप की तैयारी की है और इसी कारण इस साल भी हम खिताब के दावेदार हैं।'आदित्य ने कहा, 'भारतीय साइकिलिंग महासंघ (सीएफआई) ने हमारी सभी मांगें पूरी की हैं और हर कदम पर हमारा साथ दिया है।' म्यांमार में इस साल द्विज और हरिंदर भारतीय टीम में शामिल होंगे। बीते साल बिना किसी पदक के देश लौटे काइगोलाल को इस साल भी मौका दिया गया है। टीम में शामिल नया चेहरा गुरलाल सिंह को भी पदक का दावेदार माना जा रहा है। गुरलाल ने ट्रायल्स और अभ्यास सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है। इस बीच, भारतीय प्रतिनिधिमंडल में दो अन्य मजबूत खिलाड़ी शामिल किए गए हैं। इनमें एएमएफ इंफिनिटी राइड पैरा साइकिलिंग में हाथ आजमा रहीं पूर्व व्हीलचेयर नेशनल टेनिस चैम्पियन मधू बागरी और प्रशांत अकराल हैं। इस चैम्पियनशिप से पहले द्विज ने कहा, 'हमारी तैयारी अच्छी है और हम आत्मविश्वास से लबरेज हैं। व्यक्तिगत तौर पर मैं अपने पदक का रंग बदलने की तैयारी में हूं। इस हार मैं हर हाल में सोना जीतना चाहता हूं।' आत्मविश्वास से भरपूर इन एथलीटों के बीचे आदित्य एक शक्ति की तरह हैं। वह सीएफआई की मदद से आदित्य मेहता फाउंडेशन के बैनर तले इन एथलीटों को प्रशिक्षित करते हैं।

अफगानिस्तान ने जिम्बाब्वे को 17 रन से हराकर सीरीज पर जमाया कब्जा

शारजाह आतंकवाद के दंश से ग्रस्त अफगानिस्तान ने कुछ ही समय में विश्व क्रिकेट का ध्यान खींच लिया है। उसके खेल में लगातार सुधार देखने को मिल रहा है और वह इस साल भारत के खिलाफ पहला टेस्ट खेलेगा। अफगानिस्तान ने फिलहाल एक और उपलब्धि अपने नाम कर ली है। दूसरे मैच में जिम्बाब्वे को 17 रन से हराकर टी20 सीरीज पर 2-0 से कब्जा जमा लिया। वह पहला मैच 32 गेंदों पहले पांच विकेट से जीतने में सफल रहा था। अब दोनों देशों के बीच 9 फरवरी से इसी मैदान पर पांच मैच की वनडे सीरीज खेली जाएगी। दूसरे टी20 मैच में टॉस हारने के बाद अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 158 रन बनाए। मैन ऑफ द मैच मोहम्मद नबी ने सर्वाधिक 45 रन ठोके। नबी ने 26 गेंदों पर दो चौके व चार छक्के उड़ाए।

करीम सादिक ने 28, कप्तान असगर स्टेनिकजई ने 27, नजीबुल्ला जदरान ने 24 और विकेटकीपर मोहम्मद शहजाद ने 17 रन का योगदान दिया। तेंदई चतारा ने तीन और काइल जार्विस, मुजारबानी व कप्तान ग्रीम क्रेमर ने 2-2 विकेट चटकाए। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 20 ओवर में पांच विकेट पर 141 रन तक ही पहुंच पाई। सिकंदर रजा ने 26 गेंदों पर पांच चौकों व एक छक्के के साथ 40 रन बनाए। बुरी ने 30, हेमिल्टन मसकाद्जा ने 29 व विकेटकीपर ब्रेंडन टेलर ने 15 रन की पारी खेली। मुजीब उर रहमान व राशिद खान ने 2-2 और नबी ने 1 विकेट लिया।

यूरोप का छोटा देश भी फुटबाल में भारत से आगः कार्लोस

नई दिल्ली: पुर्तगाल फुटबॉल संघ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ), कोच और पूर्व खिलाड़ी कार्लोस आंद्रे पौलीनो ओलिविरो का मानना है कि यूरोपीय देशों की तुलना में भारतीय फुटबाल बहुत पीछे हैं और उन्हें यूरोपीय देशों को टक्कर देने के लिए बहुत कुछ सीखने की जरुरत है। कार्लोस इंडो यूरोप स्पोर्ट्स एंड लेजर प्रमोशन काउंसिल के आमंत्रण पर भारत आए हैं। यहां वह आठ और नौ फरवरी को राजधानी के अंबेडकर स्टेडियम में दिल्ली के लगभग 300 उभरते खिलाड़ियों और कोचों को ट्रेनिंग देंगे। कार्लोस इंडो यूरोप स्पोर्ट्स एंड लेजर प्रमोशन काउंसिल का गठन 2016 में किया गया था और तब से लेकर अब यह यूईएफए के 10 कोचों के मार्गदर्शन में लगभग 1400 खिलाड़ियों को ट्रेनिंग दे चुका है। कार्लोस ने बुधवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, पुर्तगाल एक छोटा सा देश है जिसकी जनसंख्या लगभग एक करोड़ के करीब है। लेकिन वहां लाखों फुटबॉल खिलाड़ी है। मैं देखकर हैरान हूं कि 125 करोड़ जनसंख्या वाले देश (भारत) में फुटबॉल एशियाई स्तर से आगे नहीं बढ़ पाया है। कार्लोस अपने दिल्ली दौरे के दौरान स्थानीय खिलाड़ियों की तकनीक, दमखम और फुटवर्क को करीब से देखेंगे और सुधार की संभावना के बारे में बात करेंगे। उन्होंने साथ ही कहा, पुर्तगाल और यूरोप की तुलना में भारत फुटबॉल के क्षेत्र में बहुत पीछे है पर इसमें सुधार की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। मुझे लगता है कि भारतीय फुटबॉल अभी यूरोपीय देशों से बहुत कुछ सीखने की जरुरत है।

भारतीय टीम 2019 के विश्वकप में सबसे प्रबल दावेवार : ग्लेन मैक्ग्रा

नई दिल्ली

अगले साल आइसीसी विश्व कप खेला जाना है जिसके लिए दुनियाभर की टीमें तैयारी में लगी हुईं हैं। यह विश्वकप इंग्लैंड और वेल्स में आयोजित किया जाएगा। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा की मानें तो इस बार के विश्वकप का सबसे प्रबल दावेवार इंग्लैंड होगा। अभी कुछ ही दिनों पहले इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराया है। मैक्ग्रा ने मीडिया से बातचीत में बताया कि, वो इंग्लैंड को भारतीय टीम के मुकाबले विश्व कप का ज्यादा मजबूत दावेदार मानते हैं।

ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ने एक न्यूज पेपर में कॉलम लिखते हुए अपनी निजी राय रखी है। मैक्ग्रा ने लिखा कि, अगर इंग्लैंड के पिछले 22 मुकाबलों पर नजर डाली जाए तो इंग्लिश टीम ने 19 मुकाबले जीते हैं। अंग्रेज खिलाड़ी अगर अपने इस फॉर्म को अगले साल तक जारी रखते हैं तो निसंदेह विश्वकप के प्रबल दावेदार वही होंगे। कोई भी टीम उन्हें विश्वकप में रोक नहीं पाएगी इसका सबसे बड़ा कारण यह होगा कि ये विश्वकप उनके घरेलू मैदानों पर खेला जाएगा। पिछले साल तो भारतीय टीम ने भी वनडे मैचों में बहुत शानदार प्रदर्शन किया था लेकिन भारतीय टीम ने इस दौरान ज्यादातर मैच अपने घरेलू मैदानों पर खेले थे। वहीं इंग्लैंड में आयोजित चैंपियंस ट्रॉफी में भी भारत ने बेहतरीन प्रदर्शन किया था हालांकि वो फाइनल मैच पाकिस्तान से हार गया था। मौजूदा समय में भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका में वनडे सीरीज खेल रही है जहां टीम ने सीरीज के पहले दोनो मैच जीतकर 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। अगर भारत इस सीरीज को जीत लेता है तो वह इतिहास रच देगा।

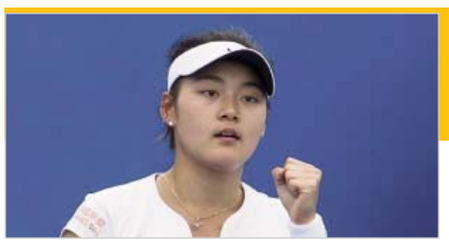

फेड कप : चीन ने भारत को हराया

नई दिल्ली। फेडरेशन कप टेनिस टूर्नामेंट के ग्रुप-ए के मुकाबले में बुधवार को यहां चीन ने भारत को 2-1 से हरा दिया। पहले एकल मुकाबल में वांग याफान ने करमान कौर थांडी को हराकर चीन को बढ़त दिला दी थी। इसके बाद अंकिता रैना ने हालांकि अपने से ऊंची रैंकिंग की खिलाड़ी लिन झू को हराकर भारत को 1-1 की बराबरी दिला दी। लेकिन युगल मुकाबले में अंकित और प्रार्थना थोम्बरे की जोड़ी को वांग और झाओजुयान यांग ने सीधे सेटों में हराया। पहले मैच में वांग याफान ने थांडी को सीधे सेटों में 6-2, 6-2 से हराया। मैच की शुरुआत से ही दोनों खिलाड़ियों के खेल में अंतर नजर आ रहा था। पहले सेट में वांग ने दो बार थांडी की सर्विस ब्रेक की। थांडी ने भी बहुत सारे अन्फोर्स्ड एरर और डबल फॉल्ट किए जिसके कारण वह अपनी ताकत और लंबाई का फायदा नहीं उठा पाई और 6-2 से पहला सेट हार गई।

वांग ने दूसरे सेट में भी दमदार शुरुआत की और पहले गेम ही थांडी की सर्विस ब्रेक कर दी। वांग देखते ही देखते दूसरे सेट में 4-1 से आगे हो गई। इसके बाद उन्होंने बिना कोई गलती किए दूसरे सेट को भी 6-2 से अपने नाम कर लिया। हालांकि, भारत की अंकिता रैना ने चीन की लिन झू को सीधे सेटों में भारत को 1-1 की बराबरी दिला दी। अंकिता पूरे मैच में अपनी चीनी प्रतिद्वंद्वी पर हावी रही और मुकाबले को 6-3, 6-2 को हराया। पहले सेट में अंकिता ने लिन की पहली सर्विस गेम को ब्रेक किया। लिन पहले सेट के दौरान अंकिता की सर्विस ब्रेक नहीं कर पाई।

ट्राफिक पुलिस विभाग के निर्णय से स्वयं ट्राफिक पुलिस कर्मी परेशान

कार लोक लेकर निकलने वाले ट्राफिक पुलिस कर्मी और टीआरबी जवानों की भागदौड बढी

सूरत। सूरत शहर में दिन प्रतिदिन विकास के साथ-साथ ट्राफिक समस्या भी जटील होने लगी है। हलांकि महानगरपालिका तथा सूरत शहर ट्राफिक पुलिस इस समस्या के निवारण हेतु अभी तक कोई ठोस कदम या उपाय नहीं खोज पाई है। ऐसे में शहर ट्राफिक पुलिस के उच्च अधिकारी ने ट्राफिक पुलिस को शहर में जहां-तहां पार्क करने वाले कार चालको को शबक सिखाने के लिए करीब 100 कार लोक एक-एक डिविजन में अनिवार्य रुप करने का आदेश दिया है। जिससे अब ट्राफिक पुलिस टीआरबी जवान के साथ बाईक पर करीब 15 से 20 कार लोक लेकर यहां वहां ट्राफिक जाम के लिए जिम्मेदार कार को लोक करने हेतु प्रतिदिन निकल रही है और ट्राफिक के लिए बाधारुप अस्त-व्यस्त मार्गो पर खडी कारों को लोक कर रहे है। हलांकि इस आदेश के चलते स्वयं ट्राफिक पुलिस कर्मियों में भारी रोष व असंतोष देखने को मिल रहा है।

उलेखनीय है कि शहर में ट्राफिक समस्या दिन प्रतिदिन विकराल स्वरुप धारण करती जा रही है। जिसके चलते वाहन चालको व आम शहरवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पडता है। शहर की बढती हुई जनसंख्या के अनुसार ट्राफिक समस्या के निवारण हेतु तंत्र द्वारा अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। हलांकि शहर के मुख्य मार्गो पर जगह-जगह बेरिकेट रख ट्राफिक समस्या को कुछ हद तक सामान्य करने का प्रयास किया गया है लेकिन लोगों में जागृकता के अभाव व जल्दबाजी से मंजिल तक पहुंचने की लालसा में उसका वाजिब फायदा अभी तक नहीं मिला है। इस दौरान ट्राफिक पुलिस के उच्च अधिकारी द्वारा ट्राफिक समस्या को कम करने हेतु एक अनोखा ही निर्णय लिया गया है। हलांकि उससे ट्राफिक पुलिस कर्मी और टीआरबी जवान परेशान है। लिये गये निर्णय अनुसार यहां वहां मार्ग में अंधाधुन कार पार्क कर ट्राफिक के लिए बाधारुप बनने वाले कार चालको को सबक सिखाने का आयोजन किया गया है। जिसके अनुसार प्रत्येक डिविजन में 100-100 कार लोक दिया गया है। ट्राफिक पुलिस टीआरबी जवान के साथ बाईक पर सवार होकर 15 से 20 कार लोक लेकर निकलती है और यहां-वहां ट्राफिक के लिए बाधारुप कार को लोक कर रही है। जिसके बाद कार चालक का फोन आने पर पुन: ट्राफिक पुलिस वहां पहुंचकर कार लोक खोलती है और कार चालको से इस संदर्भ में 100 रुपये का दंड वसूली जाता है। इस कार्यवाही से ट्राफिक पुलिस को भी भारी परेशानी हो रही है। पहले तो कार लोक करना और उसके बाद जब फोन आये या आदेश मिले तो उसे जाकर खोलना। ट्राफिक पुलिस की भागदौड बढ गई है। उलेखनीय है कि इस कार्यवाही से कार चालक तो बाद में सबक सिखेंगे लेकिन ट्राफिक पुलिस कर्मियों में भारी असंतोष देखने को मिल रहा है। वह इस आदेश का अमल करने के लिए मजबूर हैं लेकिन उनमें इस कार्य को लेकर रोष और असंतोष है।

मेडिकल कॉलेज में एडमिशन कराने के नाम पर 13 लाख की ठगी

संवाददाता, सूरत। कतारगांव के एक युवक को साउथ इंडिया के किसी मेडिकल कॉलेज में एडमिशन करा देने के बहाने तीन ठगों द्वारा 13 लाख रुपए की ठगी किए जाने की रिपोर्ट डीसीबी पुलिस में दर्ज कराई गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कतारगांव रोड उदयनगर के पीछे हरेकृष्ण सोसाइटी 178 में रहने वाले डॉ. अजय बटुकभाई जसाणी (25 वर्ष) पढ़ाई करते हैं। अजय ने क्राइम ब्रांच पुलिस में आरोपी विजयभाई, मोबाइल नं.- 98 336337093,व7045043116, आकाश, मोबाइल नं.- 9427501442 तथा जाकीरभाई जिसका मोबाइल नं.- 9900919062 के खिलाफ रपट की है। उन्होंने उल्लेख किया है कि साउथ इंडिया के किसी मेडिकल कालेज के ओर्थोपेडिक में एडमिशन कराने का भरोशा देकर तीनों अजय के पास से 13 लाख रुपए लेने के बाद कॉलेज में एडमिशन नहीं कराए। अजय ने अपने साथ ठगी होने का अहसास कर आरोपियों के खिलाप क्राइम ब्रांच पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराया है। पुलिस तीनों ठगों के खिलाफ मामला दर्ज करके आगे की जांच कर रही है।

स्टेट मोनीटरिंग टीम का पलसाणा के होटल पार्किंग में छापा

56 लाख की शराब भरे कन्टेनर के साथ 77 लाख का माल जब्त

सूरत। सूरत जिला की पलसाणा पुलिस की पेट्रोलिंग की गत रात धज्जियां उड गई। पलसाणा पुलिस सोती रही और गांधीनगर स्टेट मोनीटरिंग सेल की टीम ने पलसाणा राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित होटल की पार्किंग में छापा मार शराब भरा कन्टेनर पकडा। पुलिस ने 56 लाख की शराब के साथ कुल 77 लाख रुपये का माल जब्त किया। स्टेट मोनीटरिंग टीम ने पलसाणा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने कन्टेनर भेजनेवाले तथा मंगवाने वाले और फरार होने वाले क्लीनर सहित तीन को वॉन्टेड घोषित कर आगे की कार्यवाही शुरु की है।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर से प्रतिदिन करोडो रुपये की शराब की हेराफेरी हो रही है लेकिन जिला पुलिस इस पर पर्याप्त ध्यान नहीं देती। रेन्ज आईजी हसमुख पटेल के राज में बुटलेगरो और राष्ट्रीय राजमार्ग पर से शराब की हेराफेरी करने वाले तस्करो में सन्नाटा पसर गया था और उनका जीना हराम हो गया था। हलांकि अब फिर से यह अवैध धंधा पुरे जोर-शोर से शुरु हो गया है। गांधीनगर स्टेट मोनीटरिंग सेल की टीम को गुप्त जानकारी मिली थी कि पलसाणा राष्ट्रीय राजमार्ग पर बिलेश्वर गांव की सीमा में स्थित सहयोग होटल के पार्किंग में शराब भरा कन्टेनर आनेवाला है और वहीं से माल सप्लाय होगा। जिसके आधार पर स्टेट मोनीटरिंग सेल की टीम ने उक्त स्थल पर छापा मार कन्टेनर जब्त किया। हलांकि पुलिस का छापा पडते ही कन्टेनर का क्लीनर भागने में सफल हो गया। पुलिस ने कन्टेनर की तलाशी दौरान उस,में से 11,412 नंग विदेशी शराब की बोतल जिसकी कीमत 56.44 लाख रुपये और 20 लाख का कन्टेनर तथा 34 हजार रुपये नकद मिलाकर कुल 77 लाख का माल जब्त किया। पुलिस ने इस मामले में कन्टेनर चालक गोविंदसिंह अजितसिंह मजबीसिंह (निवास चुंगगाम, अमृतसर, पंजाब) को गिरफ्तार किया। स्टेट मोनीटरिंग की टीम ने गोविंदसिंह की पूछताछ में जाना कि राजेश मल्होत्रा नामक शख्स ने कन्टेनर भरवाया था और राहुल नामक शख्स ने कन्टेनर दिया था। इसके पुलिस का छापा पडते ही फरार हुये क्लीनर पगा नामक शख्स को भी पुलिस ने वॉन्टेड घोषित कर पलसाणा पुलिस आगे की जांच कार्यवाही कर रही है।

व्यापारी के साथ चार लाख की ठगी

सूरत। उमरा पुलिस सीमा वेसु क्षेत्र में ड्रीम वर्ल्ड अपार्टमेन्ट के एक फ्लेट में रहनेवाले किरायेदार ने उसकी मालिकी न होने के बावजूद कतारगाम क्षेत्र में रहनेवाले व्यापारी के साथ फ्लेट का सौदा कर उसके पास से 6.50 लाख रुपये ले लिये। फ्लेट खरीदने वाले व्यापारी को जानकारी होने पर उसने रुपये वापस मांगे को किरायेदार ने मात्र 2.50 लाख रुपये ही वापस किये। बाकी के चार लाख रुपये दो वर्ष बित जाने के बाद भी वापस नहीं दिया। जिसके खिलाफ ठगी की शिकायत दर्ज कराई गई है। घटना के संदर्भ में प्राप्त जानकारी के अनुसार वेसु, ड्रीम वर्ल्ड अपार्टमेन्ट में फ्लेट नंबर बी/1002 में किरायेदार के तौर पर रहने वाले विजय टेकचंद केशवाणी ने मालिक नहीं होने के बावजूद व्यापारी निलेश रतनभाई जोषी के साथ फ्लेट का सौदा तय किया था।

करंट लगने से नीचे गिरे युवक की मौत

संवाददाता, सूरत। रांदेर के भेंसाण गांव हलपतिवास में रहने वाला एक व्यक्ति बिजली के खंभे पर काम करने के लिए चढ़ा तो उसे जोरदार करंट लग गया। जिससे वह नीचे गिर गया और इलाज के लिए अस्पताल में ले जाने पर डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार बलदेवभाई वसंतभाई राठौड (35 वर्ष, भेसाण हलपतिवास) मजूरी करके गुजारा करते थे। उनको मिर्गी की बीमारी थी। गत रोज बलदेवभाई अपने घर के पास ही बिजली के खंभे पर चढ़कर तार जोड़ रहे थे। उसी समय उनको जोरदार करंट लगने से वे नीचे जमीन पर गिर गए। लोग बलदेवभाई को इलाज के लिए 108 के द्वारा अस्पताल में ले गए। जहां पर चिकित्सकों ने जांच करने के बाद मृत घोषित कर दिया।

मिल्कत के सामने बिट कोइन लेने वाले चार बिल्डर ग्रुप को आयकर विभाग का समन्स

सूरत। कुछ ही समय में लाखो रुपये का करोडो रुपये बनाने वाले बिट कोइन के इन्वेस्टरों की जांच में अब शहर के कई बडे बिल्डरों का नाम भी सामने आ रहा है। शहर के प्रख्यात बिल्डर ग्रुप द्वारा मिल्कत के बदले में बिट कोइन लिये जाने की जानकारी प्रकाश में आने के बाद अब इन बिल्डरों को भी समन्स भेजने की कार्यवाही शुरु की गई है। जिसमें पाल क्षेत्र के एक ग्रुप का नाम तो पहले ही सामने आया था उसके साथ हाल में जिस ग्रुप में आयकर विभाग ने छापा मारा था उसके एक साझेदार ने भी बडी संख्या में बिट कोइन लिये होने की जानकारी मिली है। क्रिप्टो करन्सी अर्थात बिट कोइन में पिछले काफी समय से देश में सर्वाधिक सूरत के लोगों द्वारा इन्वेस्ट किया गया था। जिसे लेकर देश में पहली बार सूरत में आयक विभाग द्वारा छापा मारा गया। इन्वेस्टीगेशन विंग द्वारा सूरत तथा दक्षिण गुजरात के एक साथ करीब 15 बजे बिट कोइन के ब्रोकरों के यहां छापा मार इन्वेस्टर के नाम तथा उनके द्वारा कब कितना इन्वेस्ट बिट कोइन में किया गया उनकी जानकारी प्राप्त की गई थी। हलांकि इन ब्रोकरो में से सबसे बडे ब्रोकर दिव्येश दरजी और शैलेष कुंभाणी को भनक लग जाने से वे विदेश भाग गये। यह दो ब्रोकर ऐसे थए जिन्होंने शहर के बिल्डरों तथा राजनेताओं के करोडों रुपये नोटबंदी दौरान बिट कोइन में इन्वेस्ट कराये थे। जिसकी जांच तल रही है। लेकिन फिलहाल वे बाहर होने से फिलहाल अधिकारी दिशा विहिन जांच कर रहे हैं। इस दौरान अन्य ब्रोकरो के यहां से मिले डेटा का क्रोस वेरिफिकेशन किया जा रहा है। इन्वेस्टर जब बिट कोइन का दाम बढ गया तब उन्होंने उसे बेचकर करोडों रुपये का नफा कमा लिया है ऐसे इन्वेस्टरों को समन्स भेज बुलाया जा रहा है। हलांकि कई इन्वेस्टर आयकर विभाग में पहुंचे हैं तो कई अभी भी बुलाने पर भी नहीं आ रहे जिनके खिलाफ वोरंट इश्यु किया जायेगा। जिसकी तैयारी शुरु कर दी गई है। इन गतिविधियों के बीच आयकर विभाग बडे इन्वेस्टरों की खोजबिन जारी रखी है।

शहर के कई बिल्डर ग्रुप द्वारा भी यह बिट कोइन लिये जाने की जानकारी मिली है। इन बिल्डर ग्रुप द्वारा बिट कोइन की खरीदी नही की गई है लेकिन उनके द्वारा मिल्कत के सामने बिट कोइन लिया गया था। शहर के चार बिल्डर ग्रुप की जानकारी फिलहाल विभाग को मिली है कि जिन्होंने इन्वेस्टरों के पास से सीधे ही उनके खाते में बिट कोइन ट्रान्सफर कराया था। जिसमें पाल क्षेत्र के बडे प्रोजेक्ट के साथ हाल में बडी क्लब शुरु करनेवाले ग्रुप जे.जे. ग्रुप में आयकर विभाग द्वारा सर्च किया गया था। इस ग्रुप का एक साझेदार, मोटा वराछा क्षेत्र में रियाहसी प्रोजेक्ट के साथ-साथ शोपिंग मोल बनाने वाले ग्रुप और बडी टेक्सटाइसल बनाने वाले ग्रुप की सूची तैयार की गई है। इन चार ग्रुप के बिल्डरों द्वारा करोडो रुपये का बिट कोइन मिल्कत के एवज में प्राप्त किया गया था। अब विभाग द्वारा आगामी दिनों में इन चार ग्रुप के बिल्डरो को समन्स भेज बिट कोइन के संदर्भ में स्पष्टीकरण मांगा जायेगा। हलांकि आज तक की जांच में एक भी बिट कोइन के इन्वेस्टर ने सूरत में केपिटल गेइन टेक्स नहीं भरे होने की जानकारी मिली है।

सभी जीव उत्तानपाद हैं : संतदासजी महाराज

कथा में बही भक्ति की रसधार

संवाददाता, सूरत। पांडेसरा इलाके के श्री काशी विश्वनाथ धाम में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन बुधवार को व्यासपीठ से संतदास महाराज ने अपनी मृदुलवाणी से श्रोताओं को अमृतमयी श्रीमद्भागवत कथा के ध्रुव चरित प्रसंग का रसपान कराया। उन्होंने कथा के दौरान कहा कि धरती पर पहला मानव उत्तानपाद के रूप में अध्योध्या में पैदा हुआ। इसलिए सभी जीव उत्तानपाद हैं। जीव मां के गर्भ में सदैव उल्टा रहता है। गर्भ में उसका पैर सदैव ऊपर की ओर रहता है और गर्भ के बाहर आने के दौरान उसका पैर नीचे और सिर ऊपर की ओर रहता है। उत्तानपाद की दो पत्नियां हैं। पहली सुनीती और दूसरी सुरूचि। पहली पत्नी सुनीती धर्म पत्नी है और दूसरी सुरूचि यानि काम पत्नी। उन्होंने कहा कि ध्रुव का अर्थ अटल। जो अटल होगा वही उत्तम है। उत्तम का अर्थ उत् का अर्थ ईश्वर और तम् का अर्थ अंधकार। इसलिए जहां ईश्वर होंगे। वहां अंधकार नहीं होगा। कथा के दौरान श्री काशी विश्वनाथ धाम मंदिर के महंत सर्वेशानंद महाराज, तीरथ चौबे, दिनेश दूबे, वासुदेवानंद महाराज, महाबली दूबे, नत्थू सिंह, सुभाष दूबे, शैलेन्द्र चौबे, विजय सिंह, संजय पांडेय, अजय पांडेय, मनोज उपाध्याय, बब्बू तिवारी, राजकुमार मिश्रा, देवी दर्शन, अजय पांडेय, रमेश मौर्या, अमरबहादुर यादव, राजकुमार विश्वकर्मा, सुभाष यादव, श्री सांवलिया सिल्क मिल्स के अजीत भाई, प्रदीप भाई, जगदीश शर्मा, यशनाथ तिवारी, रेखा मौर्या, लता दूबे, सोनू पांडेय, राकेश भाई सहित काफी तादाद में श्रोतागण मौजूद थे।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गर्भ परीक्षण करते हुए डॉक्टर को किया गिरफ्तार

साबरकांठा (ईएमएस)। जिले के हिम्मतनगर में बस स्टैंड निकट आकाशगंगा कोम्प्लेक्स में डॉ.अश्विन नायक की ममता अस्पताल में गर्भ परीक्षण होने की जानकारी के आधार पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने छापा मारकर डॉक्टर को गर्भवती महिला के गर्भ की परीक्षण करते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर शहर में ममता गायनेक अस्पताल के डॉ.अश्विन नायक मोटी रकम लेकर गर्भवती महिलाओं के गर्भ का लींग परीक्षण कर रहे होने की जानकारी मिलने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जाल बिछाकर डॉक्टर को रंगे हाथों पकडने का फैसला करते हुए एक गर्भवती महिला को तैयार कर और पिछले डेढ माह से डॉक्टर के वहां नियमित रुप से चेकअप के लिए भेजकर विश्वास हासिल किया।

कपड़ा मार्केट में बढ़ी ग्राहकी, भीड़भाड़ से हुआ गुलजार

मालवाहकों के मार्केट में आने से ट्रैफिक जाम की समस्या

संवाददाता, सूरत। वैवाहिक व मांगलिक आयोजन के शुरू होने से कपड़ा मार्केट में यूपी, बिहार, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र व गुजरात सहित अन्य प्रदेशों के खुदरा ग्राहक कपड़ा मार्केट में ग्राहकी के लिए आने से कपड़ा मार्केट गुलजार हो रहा है। बुधवार को बाहर से आने वाले ग्राहकों से जहां कपड़ा मार्केट में भीड़भाड़ रहा तो वहीं पशुपतिनाथ मार्केट से पूनम मार्केट तक व मिलेनियम मार्केट से लेकर रघुकुल मार्केट तक व अन्य कपड़ा मार्केट में मालवाहन को ग्रे- कपड़ा व फिनिश कपड़ा लेकर आने से यातायात जाम दिखा। हाल ही में मिलेनियम मार्केट में पुलिस विभाग व कपड़ा मार्केट के फोस्टा व अन्य मार्केटों के व्यापारियों की बैठक यातायात सप्ताह के तहत हुई। जिसमें व्यापारियों ने पुलिस विभाग के अधिकारियों को कपड़ा मार्केट में ट्रैफिक समस्या से अवगत कराया था। व्यापारियों को ट्रैफिक समस्या से निजात दिलाने के लिए आश्वास दिया था। एक दो दिन तक कपड़ा मार्केट में ट्रैफिक समस्या कम दिखाई दी। उसके बाद फिर से मार्केट में ट्रैफिक समस्या से कपड़ा व्यापारी व ग्राहक जूझने लगे हैं।

मासूम की लाश सूटकेस में मिली, सौतेली मां पर हत्या का शक

सुरेंद्रनगर (ईएमएस)। यहां एक हैरत अंगेज घटना घटित हुई। 6 वर्ष के बच्चे की लाश उसके ही घर में सूटकेस में मिली। पुलिस को शक है कि बच्चे की हत्या एसकी सौतेली मां ने ही की होगी। घटना की खबर मिलते ही समूचे सुरेंद्रनगर में सनसनी फैल गई। मंगलवार शाम साढ़े 4 बजे भद्र नामक 6 वर्षीय बालक अचानक गुम हो गया था। बच्चे के गुम होने की सूचना उसके पिता ने पुलिस को दी परंतु बाद में घर के ही सूटकेस में उसकी लाश मिलने से खलबली मच गई। मृत बालक के पिता ने अपनी पत्नी यानि भद्र की सौतेली मां पर हत्या का आरोप लगाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उसकी सौतेली मां की यह तीसरी शादी है और पिता की दूसरी शादी। भद्र के पिता के बयान के बाद पुलिस ने सौतेली मां जीनल को रात्रि में ही गिरफ्तार कर लिया। उससे पूछताछ जारी है। अभी तक उसने इनकार किया है। उसने कहा है कि उसने कुछ नहीं किया है। पुलिस तमाम पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पूरे मामले को देखने के बाद सवाल उठता है कि 6 वर्षीय भद्र की हत्या किसने और क्यों की। हत्या करके शव को सूटकेस में बंद करने के पीछे क्या वजह रही होगी। वह सूटकेस में कैसे घुसा। जाहिर है, इस में कोई घर का ही व्यक्ति शामिल होगा।

अमरोली उत्राण की महिला ने लगाई फांसी

संवाददाता, सूरत। शहर के अमरोली क्षेत्र उत्राण में रहने वाली विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्म हत्या कर ली। घटना के बारे में अमरोली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार अमरोली के उत्राण शैलेष पार्क सोसायटी घर नं 28 में रहने वाले विजयकुमार परमार की पत्नी लीलाबेन (24 वर्ष) ने गत रोज दोपहर के समय घर के अंदर फांसी लगाए हालत में मिली थी। लीलाबेन के सास-ससुर ने देखा तो इलाज के लिए स्मीमेर अस्पताल में ले गए। जहां चिकित्सकों ने जांच करने के बाद लीला को मृत घोषित कर दिया। कतारगांव पुलिस आत्महत्या का मामला दर्ज करके जांच कर रही है।

फीजियोथेरापी के डिटेन 160 विद्यार्थियों की परीक्षा 12 को

संवाददाता, सूरत। वीर नर्मद दक्षिण गुजरात यूनिवर्सीटी के फीजियोथेरापी के पाठ्यक्रम में प्रथम सत्र में 160 से भी अधिक विद्यार्थियों को डिटेन कर दिया गया था। इन विद्यार्थियों की परीक्षा 12 फरवरी को शुरू किए जाने की जानकारी मिली है।

यूनिवर्सीटी द्वारा गत अगस्त महीने में ली जानेवाली फीजियोथेरापी के प्रथम सत्र की परीक्षा देनवाले 480 विद्यार्थियों में से 165 विद्यार्थियों को डिटेन कर दिया गया था। जिससे परीक्षा परिणाम मात्र 46.01 प्रतिशत दर्ज किया गया था। इस संदर्भ में विद्यर्थियों द्वारा उन्हें एटीकेटी की परीक्षा में बैठने दिया जाय, ऐसी मांग की गई थी। जिसमे बोर्ड ऑफ स्टडीज एवं विद्यार्थियों की उच्च स्तर की दरखास्त को ध्यान में रखते हुए लिए गए निर्णय के अनुसार डिटेन किए गए विद्यार्थियों की परीक्षा आगामी 12 फरवरी को ली जाएगी।

मार्निंग वॉक पर निकले युवक की वाहन चपेट में आने से मौत

संवाददाता, सूरत। मगदल्ला से सचिन जाने वाले रोड पर मार्निंग वॉक पर निकले उन गभेणी गांव के युवक को एक अज्ञात वाहन चालक द्वारा चपेट में ले लेने से स्थल पर ही उसकी मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सचिन के गभेणी गांव जिलानी नगर भाग-1 मकान नं. 230,231 में रहने वाले तैयब शेख निजामुद्दीन शेख के भाई गत रोज मगदल्ला से सचिन जाने वाले रोड पर मार्निंग वॉक पर निकले थे। उसी दौरान किसी वाहन चालक द्वारा चपेट में ले लेने से उनकी स्थल पर ही मौत हो गई। घटना के संदर्भ में मृतक के भाई तैयब शेख ने सचिन पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराया है। पुलिस अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके जांच कर रही है।

वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए हुई आसाराम की पेशी

गांधीनगर (ईएमएस)। आसाराम के खिलाफ सूरत की एक महिला द्वारा दर्ज कराए गए बलात्कार के एक मामले में वह वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश हुआ। वह अभी राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश राशीदा वोरा की अदालत में पीड़ित से पूछताछ हुई। आसाराम के वकील बीएम गुप्ता ने बताया कि उससे पूछताछ कल भी जारी रहेगी।

प्राथमकि शालाओं में परीक्षा 19 अप्रैल तक पूरी करने का आदेश

संवाददाता, सूरत। राज्य शिक्षा विभाग ने सभी प्राथमिक शालाओं में वार्षिक परीक्षा 19 अप्रैल तक समेट लेने के लिए जिला तंत्र को सूचना जारी कर दिए हैं। वार्षिक परीक्षा के बाद शिक्षकों को तालीम दी जाएगी। गुजरात में अभी तक जीसीआरटी के अनुसार पाठ्यक्रम चलता था। परंतु अब नए शैक्षणिक सत्र से कक्षा-1 से 9 और 11 के मुख्य विषयों में नेशनल काउन्सिल एफ रिसर्च एन्ड ट्रेनिंग की रूपरेखा के अनुसार नए पाठ्यक्रम आ रहे हैं। नए पाठ्यक्रम के लिए संभवत: अप्रैल के अंतिम सप्ताह में या मई माह के प्रारंभ से शिक्षकों के लिए तालीम वर्ग शुरू होने वाला है। तालीम को देखते हुए परीक्षा समय पर पूरी करने का आदेश जारी किया गया है।

नहर की सुरक्षा में बड़ी संख्या में एसआरपी जवान तैनात

नर्मदा (ईएमएस)। नर्मदा डेम में पानी की कमी होने पर नर्मदा से मुख्य नहर से केवडिया तक उत्तर गुजरात सौराष्ट्र के क्षेत्र लेकर कच्छ तक सुरक्षा बढा दी है। मुख्य नहर की सुरक्षा के लिए एसआरपी जवानों का काफिला तैनात किया गया है जो कि वाहनों के जरिये 24 घंटों तक पेट्रोलिंग करेंगे। नर्मदा डेम में पानी कम होने का कारण आगे बढाकर सरकार ने किसानों को सिंचाई के लिए पानी बंद करने से विवाद बढ गया है। किसानों को नहरों में से पाईपलाइन हटा लेने की नोटीस देने से किसानों में आक्रोस फैल गया है। परंतु सरकार की मजबूरी है कि नर्मदा डेम में पानी कम हो गया है। इस पानी पीने के लिए बचाना बहोत जरूरी है। जिसके चलते किसानों को नहरों में से पानी की मोटरें व पाईपलाइन से पानी लेने पर प्रतिबंध लगा दिया है। नर्मदा योजना से नहरों में पानी की चोरी रोकने के लिए नर्मदा की मुख्य नहरों पर एसआरपी जवानों की सुरक्षा बढा दी गई है। सरकार ने 15 मार्च से सिंचाई के लिए नर्मदा नहर में से पानी छोड़ने की मनाही के बाद समग्र गुजरात में से विरोध हो रहा है। नर्मदा डेम का पूर्ण जलस्तर 138.68 मीटर है जिसके सामने आज नर्मदा डेम का जलस्तर 111.95 मीटर तक पहुंच गया है। नहर में पानी कम हो रहा है और अभी ग्रीष्म का मौसम शुरु भी नहीं और अभी मानसून को आने में चार माह का समय शेष है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com